मेट्रो Rays

आगे रखने का वादा

रांची, गुरुवार, 23 जुलाई 2026

संवत 2083, अषाढ़ शुक्ल 9 मूल्य-3 रुपये

वर्ष-9, अंक 309 , पृष्ठ-8, RNI No.-JHAHIN/2017/75028

सांध्य दैनिक

4 किसान और गांव को आत्मनिर्भर बनाने की चुनौती

अमिताभ ने अस्पताल के अनुभव के जरिये बयां किया जिंदगी का कड़वा सच 6

नीट विवाद के बीच पीएम मोदी का ऐलान

पेपर लीक के सभी मामलों की फास्ट ट्रैक कोर्ट में होगी सुनवाई

नई दिल्ली : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पेपर लीक के मामलों पर सख्त रुख अपनाते हुए बड़ा ऐलान किया है। उन्होंने कहा कि पेपर लीक से जुड़े मामलों की त्वरित सुनवाई के लिए देशभर में फास्ट ट्रैक कोर्ट बनाए जाएंगे, ताकि दोषियों को जल्द और कड़ी सजा मिल सके। इसके लिए संबंधित विभागों को आवश्यक कदम उठाने के निर्देश भी जारी कर दिए गए हैं।

प्रधानमंत्री ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर कहा कि हमारे युवाओं का हित और उनका भविष्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है।उन्होंने कहा कि फास्ट ट्रैक कोर्ट के गठन का उद्देश्य पेपर लीक मामलों का शीघ्र निपटारा सुनिश्चित करना और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करना है।

पीएम मोदी ने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि इस फैसले को जल्द से जल्द लागू करने के लिए सभी जरूरी प्रक्रियाएं पूरी की जाएं। उन्होंने कहा कि यह कदम छात्रों और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे लाखों अभ्यर्थियों के हितों की रक्षा के लिए सरकार की प्रतिबद्धता का हिस्सा है।

प्रधानमंत्री ने स्पष्ट चेतावनी देते हुए कहा कि युवाओं के भविष्य से खिलवाड़ करने वालों को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा। उन्होंने दोहराया कि पेपर लीक के हर मामले में दोषियों को जल्द कठोर सजा दिलाने के लिए फास्ट ट्रैक कोर्ट की व्यवस्था की जाएगी।

सरकार का मानना है कि इस पहल से पेपर लीक मामलों में न्यायिक प्रक्रिया तेज होगी, दोषियों को शीघ्र सजा मिलेगी और प्रतियोगी परीक्षाओं की निष्पक्षता तथा युवाओं का भरोसा और मजबूत होगा।

सिक्किम टनल हादसा

झारखंड के चार मजदूरों की मौत, मुख्यमंत्री ने हादसे को बताया अत्यंत दुखद व चिंताजनक

संवाददाता

रांची: सिक्किम के नामची जिले में हुए टनल हादसे में झारखंड के चार मजदूरों की मौत हो गयी है। मृतकों में खूंटी स्थित रनिया प्रखंड के डाहु गांव निवासी कृष्णा साहू (22) और बडरू विकास कंडुलना (25), हजारीबाग के बरही प्रखंड के जगेश्वर ठाकुर (46) और पश्चिमी सिंहभूम के कुमसिंग मदुरा गांव निवासी मसीह बरजो (27) शामिल हैं। सीएम हेमंत सोरेन ने हादसे को अत्यंत दुखद और चिंताजनक बताया है। उन्होंने सिक्किम के मुख्यमंत्री से बात की और आग्रह किया कि प्रभावित झारखंड के श्रमिकों को हरसंभव सहायता दी जाये। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस घड़ी में प्रभावित परिवारों के साथ हमारी पूरी संवेदना है। सीएम ने श्रम मंत्री संजय प्रसाद यादव व माइग्रेंट सेल कंट्रोल रूम को संज्ञान लेने का निर्देश दिया है। कंट्रोल रूम लगातार सिक्किम सरकार के साथ संपर्क बनाये हुए है।

विस्फोट : समरडुंग एनएचपीसी तीस्ता स्टेज सिक्स जल विद्युत परियोजना के निर्माणाधीन हेड रेस टनल में गैस रिसाव के बाद विस्फोट हो गया था। मौके पर मरनेवाले मजदूर अपने अन्य साथियों के साथ सिक्किम गये थे और वहां पटेल कंस्ट्रक्शन कंपनी में मजदूरी कर रहे थे। हादसे की सूचना मिलते ही रनिया प्रखंड के डाहु गांव में मातम छा गया। मृतक कृष्णा साहू और विकास कांडुलना के घरों में चीख-पुकार मच गयी।

गैस रिसाव के बाद हुआ मृतक कृष्णा साहू के भाई ने हादसे की कहानी: हादसे में कृष्णा साहू के भाई बबलू साहू बच निकले। उन्होंने फोन पर बताया कि वह अपने भाई कृष्णा साहू के साथ दो जुलाई को सिक्किम पहुंचे थे। कृष्णा साहू और विकास कंडुलना सुरंग के अंदर मजदूरी करते थे, जबकि उन्हें कैंटीन (मेस) में काम मिला था। घटना वाले दिन वह दो अन्य साथियों के साथ सुरंग में काम कर रहे मजदूरों के लिए दोपहर का भोजन लेकर अंदर गये थे। तभी अचानक ब्लोअर का पाइप फट गया और आग व जहरीली गैस फैल गयी। वह और सात अन्य मजदूर किसी तरह बाहर निकल आये, लेकिन कृष्णा और विकास समेत 22 मजदूर सुरंग के अंदर ही फंस गये और उनकी मौत हो गयी।

ग्रामीण लगातार मृतकों के पार्थिव शरीर को जल्द गांव लाने की मांग कर रहे हैं।

कोडरमा में एनआईए की बड़ी कार्रवाई

विस्फोटक मैगजीन हाउस व कारोबारी के आवास पर छापेमारी

कोडरमा: राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने गुरुवार सुबह कोडरमा जिले में बड़ी कार्रवाई करते हुए नवलशाही थाना क्षेत्र के कई ठिकानों पर छापेमारी की। यह कार्रवाई विस्फोटक सामग्री के अवैध कारोबार और उसके संभावित दुरुपयोग की जांच के सिलसिले में की गई। छापेमारी के बाद इलाके में हड़कंप मच गया।

जानकारी के अनुसार, एनआईए की विशेष टीम ने नवादा-फुलवरिया के समीप स्थित एक विस्फोटक मैगजीन हाउस पर अचानक दबिश दी। यह मैगजीन हाउस लोकाई निवासी व्यवसायी शंकर यादव का बताया जा रहा है। अधिकारियों ने पूरे परिसर को अपने कब्जे में लेकर वहां रखे स्टॉक, अभिलेखों और अन्य दस्तावेजों की गहन जांच शुरू की।

इसी दौरान एनआईए की दूसरी टीम ने तड़के लोकाई स्थित शंकर यादव के आवास पर भी छापेमारी की। जांच के दौरान स्टॉक रजिस्टर, वित्तीय लेन-देन से जुड़े दस्तावेजों सहित अन्य महत्वपूर्ण अभिलेखों की पड़ताल की जा रही है। कार्रवाई के दौरान सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने के लिए नवलशाही थाना पुलिस को भी मौके पर तैनात किया गया। पूरे क्षेत्र को सुरक्षा घेरे में ले लिया गया तथा मैगजीन हाउस के आसपास आम लोगों की आवाजाही पर अस्थायी रूप से रोक लगा दी गई।

MANY CHAMPIONS
ONE LEGACY

Jharkhand Tourism
Nature's Hidden Jewel

GROUP C (RANCHI)

Sunday, 26 July 2026 | (Ranchi | Bmfs)		
Jamshedpur FC	VS Defenders FC	05:00 PM
Wednesday, 29 July 2026 | (Ranchi | Bmfs)		
Indian Air Force FT	VS Defenders FC	7:00 PM
Tuesday, 04 August 2026 | (Ranchi | Bmfs)		
Jamshedpur FC	VS SC Delhi	4:00 PM
Friday, 07 August 2026 | (Ranchi | Bmfs)		
SC Delhi	VS Defenders FC	4:00 PM
Monday, 10 August 2026 | (Ranchi | Bmfs)		
SC Delhi	VS Indian Air Force FT	7:00 PM
Thursday, 13 August 2026 | (Ranchi | Bmfs)		
Jamshedpur FC	VS Indian Air Force FT	4:00 PM

इंडियनऑयल IndianOil

DURAND CUP

SINCE 1888

135 TH EDITION - 2026

POWERED BY

SBI The banker to every Indian

Coal India Limited
A Maharatna Company

ORGANISED BY
THE INDIAN ARMED FORCES

SUPPORTED BY
GOVERNMENT OF JHARKHAND

HEMANT SOREN
CHIEF MINISTER, JHARKHAND

INFORMATION & PUBLIC RELATIONS DEPARTMENT, JHARKHAND

PR-385623(IPRD)26-27

समाचार सार

सेल के एमटीआई में तीसरे एचआर कॉन्क्लेव का हुआ शुभारंभ

रांचीः स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड के कॉर्पोरेट एचआर-एलएंडडी केंद्र, एमटीआई , रांची में तृतीय एचआर कॉन्क्लेव का शुभारंभ बड़े उत्साह के साथ हुआ। इस कॉन्क्लेव की थीम नीतियों से परे - प्रदर्शन संस्कृति के वास्तुकार के रूप में एचआर है। इस प्रतिष्ठित कॉन्क्लेव में सेल के 150 से अधिक अधिकारी तथा सार्वजनिक और निजी, दोनों क्षेत्रों की अग्रणी कंपनियों के वरिष्ठ एचआर अधिकारी भाग ले रहे हैं।

22-23 जुलाई 2026 के दो दिवसीय समृद्ध कार्यक्रम के दौरान, प्रतिभागी उद्योग जगत के दिग्गजों, एचआर विशेषज्ञों और विचारकों के साथ विचार-विमर्श करेंगे। इसका उद्देश्य विचारों का आदान-प्रदान करना, आधुनिक सर्वश्रेष्ठ प्रथाओं को सीखना और सेल में एक उच्च-प्रदर्शन संस्कृति को विकसित करने का रोडमैप तैयार करना है।

डीएवी पब्लिक स्कूल डोमचांच में एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत पौधरोपण

डोमचांचः डीएवी पब्लिक स्कूल, डोमचांच में एक पेड़ मां के नाम अभियान के अंतर्गत भव्य पौधरोपण कार्यक्रम का आयोजन गुरुवार यानी आज किया गया। इस अवसर पर विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक पौधे लगाकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों को पेड़ों के महत्व, पर्यावरण संतुलन तथा प्रकृति संरक्षण के प्रति जागरूक किया गया। सभी बच्चों ने संकल्प लिया कि वे लगाए गए पौधों की नियमित देखभाल करेंगे और अधिक से अधिक लोगों को पौधरोपण के लिए प्रेरित करेंगे। विद्यालय परिवार ने कहा कि एक पेड़ मां के नाम केवल एक अभियान नहीं, बल्कि प्रकृति और मातृत्व के प्रति सम्मान व्यक्त करने का एक सुंदर प्रयास है। इस कार्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थियों में पर्यावरण के प्रति जिम्मेदारी और संवेदनशीलता विकसित करने का संदेश दिया गया।

परियोजना बालिका उच्च विद्यालय इटखोरी का होगा कायाकल्प

3.20 करोड़ की लागत से होगा पुनर्निर्माण, निर्माण हेतु ई-निविदा जारी

चतराः इटखोरी प्रखंड क्षेत्र में बालिकाओं की उच्च शिक्षा के केंद्र के रूप में अपनी विशिष्ट पहचान रखने वाले परियोजना बालिका उच्च विद्यालय का अब कायाकल्प होगा। विद्यालय भवन को लेकर वर्षों से बनी हुई समस्या का निराकरण होने का मार्ग प्रशस्त हो चुका है। इटखोरी प्रखंड क्षेत्र में बेटियों की शिक्षा को बढ़ावा देने और जर्जर भवनों की समस्या को दूर करने के लिए राज्य सरकार ने इटखोरी प्रखंड अंतर्गत परियोजना बालिका उच्च विद्यालय के जर्जर भवनों के संपूर्ण पुनर्निर्माण को हरी झंडी दे दी है। परियोजना बालिका उच्च विद्यालय के नए भवन के निर्माण पर कुल 3.20 करोड़ की लागत आएगी। इस राशि से विद्यालय की छात्राओं के लिए नए भवन का निर्माण होगा और बरसात के दिनों में विद्यालय में अध्यनरत छात्राओं को जर्जर भवन में पढ़ने से निजात मिल सकेगा। इस बालिका उच्च विद्यालय का वर्तमान भवन काफी पुराना और जर्जर हो चुका है। बरसात के दिनों में छात्राओं को कक्षाओं में पानी टपकने और छत के प्लास्टर गिरने जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ता है। इसके अलावे वर्ग कक्ष के कमरों की कमी के कारण छात्राओं की पढ़ाई बाधित होती है। छत का प्लास्टर टूटकर नीचे गिरता है जिससे हमेशा दुर्घटना की आशंका बनी रहती है और भय के साए में छात्राएं अध्ययन करने को मजबूर होती रही है। विद्यालय के जर्जर भवनों के निर्माण को ले कर यहां अध्ययनरत छात्राओं ने कई बार सड़क पर उतरकर आंदोलन भी किया है। समय-समय पर विभिन्न समाचार पत्रों में भी परियोजना बालिका उच्च विद्यालय की छात्राओं की समस्याओं को उजागर किया जाता रहा है। छात्राओं की इस समस्या को देखते हुए स्थानीय जनप्रतिनिधियों और विद्यालय प्रबंधन ने सरकार से नए भवन की मांग की थी। इस आलोक में सरकार ने परियोजना बालिका उच्च विद्यालय के भवन निर्माण की दिशा में सकारात्मक कदम उठाते हुए भवन निर्माण के लिए हरी झंडी दे दी है। जिला परिषद, चतरा द्वारा भवन निर्माण के लिए ई निविदा निकल दी गई है। कार्य पूर्ण करने के लिए 18 माह की समय-सीमा निर्धारित की गई है।

नए भवन में मिलेंगी ये सुविधाएंः प्रस्तावित 2 मंजिला भवन में 10 अतिरिक्त वर्ग कक्ष, विज्ञान प्रयोगशाला, कंप्यूटर कक्ष, पुस्तकालय, प्रधानाध्यापिका का कार्यालय कक्ष, शिक्षक सदन के साथ-साथ छात्राओं के लिए अलग-अलग शौचालय और सुरक्षित पेयजल की व्यवस्था होगी। परिसर में चारदीवारी और खेल का मैदान भी विकसित किया जाएगा। विद्यालय के प्रधानाध्यापक, शिक्षकों,छात्राओं ,अभिभावकों ने इस स्वीकृति पर खुशी जताते हुए सरकार और जिला प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त किया है। साथ ही चतरा सांसद कालीचरण सिंह, सिमरिया विधायक कुमार उज्जवल दास,भाजपा जिला महामंत्री डॉ.मृत्युंजय सिंह, सहित सभी जनप्रतिनिधियों के प्रति भी कृतज्ञता ज्ञापित की है। नए भवन से न केवल पढ़ाई का वातावरण बेहतर होगा, बल्कि छात्राओं की संख्या में भी वृद्धि होगी। और, सबसे बड़ी बात यह होगी कि वर्षों से जो समस्या बनी हुई थी उसका निराकरण संभव हो सकेगा।

स्थानीय लोगों ने इस योजना को लेकर इटखोरी क्षेत्र की बालिकाओं के शिक्षा के लिए मील का पत्थर बताते हुए कहा कि इससे प्रखंड क्षेत्र में बालिका शिक्षा को नई दिशा मिलेगी और विद्यालय की छात्राएं नए भवन का निर्माण होने से भयमुक्त वातावरण में निर्भय होकर निर्बाध शिक्षा प्राप्त करेंगी।

सीएम ने की आईटी व ई-गवर्नेंस विभाग की समीक्षा, कहा-

3 साल में हर पंचायत में 5जी नेटवर्क जिलों में होंगे आईटी अधिकारी

संवाददाता

रांचीः मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने सूचना प्रौद्योगिकी एवं ई-गवर्नेंस विभाग की उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक में अगले तीन वर्षों में राज्य की सभी पंचायतों तक 5जी नेटवर्क पहुंचाने का लक्ष्य तय करने का निर्देश दिया।

उन्होंने कहा कि डिजिटल झारखंड का सपना तभी साकार होगा, जब तकनीक का लाभ दूरस्थ और ग्रामीण क्षेत्रों तक पहुंचे तथा कोई भी नागरिक डिजिटल सेवाओं से वंचित न रहे।

झारखंड मंत्रालय में आयोजित बैठक में मुख्यमंत्री ने ई-गवर्नेंस परियोजनाओं, साइबर सुरक्षा, डेटा प्रबंधन, डिजिटल सेवाओं के विस्तार और आईटी आधारित नवाचारों की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि डिजिटल तकनीक केवल सरकारी कामकाज को आसान बनाने का माध्यम नहीं, बल्कि पारदर्शी और जवाबदेह शासन की मजबूत नींव है। उन्होंने प्रत्येक विभाग और जिले में आईटी अधिकारियों की नियुक्ति सुनिश्चित करने का निर्देश दिया, ताकि योजनाओं की मॉनिटरिंग व डिजिटल सेवाओं के संचालन में तेजी आ सके।

बैठक में डिजिटल झारखंड विजन-2029 के तहत आईटी पार्क निर्माण की रूपरेखा, चीफ मिनिस्टर डेटा इंटेलिजेंस प्लेटफॉर्म तथा विभिन्न विभागों के डेटा के केंद्रीकरण पर भी चर्चा हुई। बैठक में मुख्य सचिव अविनाश कुमार, विकास आयुक्त अजय कुमार सिंह, विभागीय सचिव पूजा सिंघल, विशेष सचिव सुनील कुमार सिंह, निदेशक माधवी मिश्रा, जैप-आईटी के सीईओ चंदन कुमार व अन्य उपस्थित थे।

डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर की होगी राज्यव्यापी मैपिंग मुख्यमंत्री ने झारखंड डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर कॉरपोरेशन लिमिटेड के कार्यों की समीक्षा करते हुए पूरे राज्य के डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर की मैपिंग कराने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि पहले यह पता लगाया जाए कि किन क्षेत्रों में डिजिटल संसाधनों की कमी है, फिर उसी आधार पर योजनाबद्ध तरीके से नेटवर्क का विस्तार किया जाए। उन्होंने भारतनेट फेज-3, कनेक्टिंग झारखंड और झारनेट 2.0 को राज्य के डिजिटल विकास की आधारशिला बताते हुए कहा कि गांव, कस्बा या शहर, कोई भी क्षेत्र डिजिटल सेवाओं से वंचित नहीं रहना चाहिए। शिक्षा, स्वास्थ्य और सरकारी सेवाओं की बेहतर पहुंच के लिए मजबूत डिजिटल नेटवर्क जरूरी है।

सभी सरकारी सेवाएं ऑनलाइन करने के निर्देश जैप-आईटी की समीक्षा के दौरान सीएम ने रिक्त पदों को शीघ्र भरने, पुलिस स्टेशनों में सीसीटीवी नेटवर्क तथा लिडार व सैटेलाइट आधारित परियोजनाओं को समयबद्ध तरीके से पूरा करने के निर्देश दिए। कहा कि सभी सरकारी सेवाओं को चरणबद्ध तरीके से ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर लाएं, ताकि लोगों को योजनाओं का लाभ पारदर्शी तरीके से मिल सके। जिला न्यायालयों में उच्च गुणवत्ता वाले साउंड सिस्टम लगाने का भी सुझाव दिया। उन्होंने कहा कि राज्य का विकास केवल आईटी पार्क तक सीमित नहीं होना चाहिए, बल्कि मजबूत आईटी इकोसिस्टम विकसित कर स्टार्टअप, नवाचार, कौशल विकास व आईटी उद्योगों को बढ़ावा दिया जाए, जिससे युवाओं के लिए रोजगार व स्वरोजगार के अवसर सृजित हों।

एक सितंबर से अग्निवीर भर्ती रैली, तैयारियों को लेकर उपायुक्त ने अधिकारियों को दिया निर्देश

संवाददाता

रांचीः राजधानी रांची में 1 सितंबर से अग्निवीर भर्ती रैली का आयोजन किया जाएगा। भर्ती रैली के सफल, सुरक्षित और व्यवस्थित संचालन को लेकर उपायुक्त मंजूनाथ भजंत्री की अध्यक्षता में समाहरणालय सभागार में संबंधित विभागों के अधिकारियों एवं सेना के प्रतिनिधियों के साथ महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में भर्ती रैली से जुड़ी सभी तैयारियों की समीक्षा की गई तथा विभिन्न विभागों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

बैठक में सेना के अधिकारी एमके शर्मा ने बताया कि अग्निवीर भर्ती रैली 1 सितंबर से शुरू होकर लगभग 12 से 13 दिनों तक चलेगी। बड़ी संख्या में अभ्यर्थियों के शामिल होने की संभावना को देखते हुए प्रवेश प्रक्रिया प्रतिदिन रात 12 बजे से ही शुरू कर दी जाएगी, ताकि भीड़ का बेहतर प्रबंधन किया जा सके और अभ्यर्थियों को किसी प्रकार की असुविधा न हो।

उपायुक्त ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि भर्ती स्थल पर सभी आवश्यक सुविधाएं समय से उपलब्ध कराई जाएं। उन्होंने पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था, जेनरेटर बैकअप, एलईडी स्क्रीन, पब्लिक एड्रेस सिस्टम, निर्बाध इंटरनेट सुविधा, स्वच्छ पेयजल, शौचालय, साफ-सफाई और सैनिटेशन की बेहतर व्यवस्था सुनिश्चित करने पर विशेष जोर दिया। इसके अलावा स्वास्थ्य विभाग को मेडिकल टीम, एंबुलेंस और प्राथमिक उपचार की व्यवस्था रखने तथा पुलिस प्रशासन को सुरक्षा एवं यातायात प्रबंधन की प्रभावी योजना बनाने का निर्देश दिया गया।

बैठक में यह भी कहा गया कि भर्ती स्थल पर अभ्यर्थियों को आवश्यक जानकारी उपलब्ध कराने के लिए सूचना केंद्र स्थापित किए जाएंगे। सभी विभागों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करने और समय से पहले तैयारियां पूरी करने के निर्देश दिए गए। जिला प्रशासन का उद्देश्य है कि अग्निवीर भर्ती रैली पूरी तरह पारदर्शी, सुरक्षित और सुचारु रूप से संपन्न हो तथा दूर-दराज से आने वाले अभ्यर्थियों को किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े।

दिव्या हत्याकांड का मुख्य साजिशकर्ता राहुल यादव गिरफ्तार

कोर्ट में गवाही के डर से रची थी हत्या की साजिश

चतराः जिले के बिहार के सीमावर्ती हंटरगंज थाना क्षेत्र के जजलो गांव स्थित बंद पत्थर खदान से 26 जून को बरामद युवती दिव्या कुमारी के शव मामले में चतरा पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने हत्याकांड के मुख्य अभियुक्त और दिव्या के प्रेमी राहुल यादव को गिरफ्तार कर लिया है। यह जानकारी बुधवार को चतरा एसडीपीओ सन्नी वर्धन ने अपने कार्यालय में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में दी। उन्होंने बताया कि गिरफ्तार राहुल बिहार राज्य के गयाजी जिले के शेरघाटी थाना क्षेत्र के कुबड़ी गांव का रहने वाला है। पुलिस ने उसे शेरघाटी इलाके से गिरफ्तार किया। इस मामले में पहले ही हत्या को अंजाम देने वाले आरोपी नेपाली गंझू को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेजा जा चुका है। पुलिस जांच में सामने आया कि दिव्या कुमारी और राहुल यादव के बीच लंबे समय से प्रेम संबंध था। इस दौरान राहुल ने शादी का झांसा देकर दिव्या के साथ संबंध बनाए, लेकिन बाद में शादी से साफ इनकार कर दिया। इसके बाद दिव्या ने राहुल के खिलाफ संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कराया था। यह मामला न्यायालय में विचाराधीन था।

केस वापस लेने का बना रहा था दबावःजांच में यह भी सामने आया कि राहुल लगातार दिव्या पर दर्ज मुकदमा वापस लेने का दबाव बना रहा था। हालांकि दिव्या किसी भी कीमत पर केस वापस लेने को तैयार नहीं थी। इसी बीच न्यायालय में दिव्या का बयान होने वाला था। राहुल को आशंका थी कि यदि दिव्या अदालत में उसके खिलाफ बयान दे देती है तो उसे सजा हो सकती है।

दो लाख की सुपारी देकर रची हत्या की साजिशः सजा से बचने के लिए राहुल यादव ने दिव्या की हत्या की साजिश रची। पुलिस के अनुसार राहुल ने गया जिले के बांकेबाजार थाना क्षेत्र के खरांटी गांव निवासी नेपाली गंझू को दो लाख रुपये की सुपारी देकर दिव्या की हत्या कराने की योजना बनाई। योजना के तहत दिव्या की हत्या कर शव को जजलो गांव स्थित बंद पत्थर खदान में फेंक दिया गया, ताकि घटना को दुर्घटना या अज्ञात हत्या का रूप दिया जा सके।

पहले नेपाली गंझू, अब मुख्य आरोपी राहुल गिरफ्तारः घटना के खुलासे के दौरान पुलिस ने पहले नेपाली गंझू को गिरफ्तार किया था। पूछताछ और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर हत्या की पूरी साजिश का खुलासा हुआ। इसके बाद मुख्य साजिशकर्ता राहुल यादव की तलाश शुरू की गई। लगातार छापेमारी के बाद पुलिस ने उसे शेरघाटी से गिरफ्तार कर लिया। इस मौके पर प्रेस वार्ता में हंटरगंज थाना प्रभारी प्रभात कुमार सिंह भी मौजूद थे।

दिनदहाड़े महिला के गले से डेढ़ लाख की सोने की चेन छिनतई

चतराः शहर में बुधवार दोपहर बाइक सवार दो बदमाश दिनदहाड़े एक महिला के गले से करीब 1.50 लाख रुपये की सोने की चेन छिनतई कर फरार हो गए। जानकारी के मुताबिक दीभा मुहल्ला निवासी सीता देवी (सेवानिवृत्त शिक्षक अवधेश सिंह) रामनगर चौक स्थित बड़का मंदिर के पास एक डेंटल क्लिनिक से दांत का एक्स-रे कराने के बाद अपने पति के साथ स्कूटी से घर लौट रही थीं। जैसे ही वे पांचवां मुहल्ला पहुंचे, एक बाइक पर सवार दो युवक उनके पास आए और कमलेश शर्मा के घर का पता पूछने लगे। बातचीत के दौरान एक बदमाश ने महिला के गले से सोने की चेन झपट ली और दोनों आरोपी तेज रफ्तार बाइक से फरार हो गए। घटना के बाद महिला ने सदर थाना पहुंचकर आवेदन देकर अपराधियों की पहचान कर कड़ी कार्रवाई की मांग की है। वहीं सदर थाना प्रभारी अनिल उरांव ने बताया कि छिनतई की घटना की जांच की जा रही है।आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले जा रहे हैं। जल्द ही आरोपियों की पहचान कर गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

भूमि विवाद में एसएसबी जवान की पीट पीटकर हत्या मामले का हुआ खुलासा,तीन वर्षों से फरार चल रहे तीन आरोपी गिरफ्तार

चतराः वर्ष 2003 में जिले के हंटरगंज थाना क्षेत्र के आमीन गांव में दो डिसमिल जमीन के विवाद में हुई एसएसबी जवान शिवकुमार यादव की हत्या के बहुचर्चित मामले में चतरा पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। लंबे समय से फरार चल रहे इस मामले के तीन प्राथमिक अभियुक्तों को पुलिस ने गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। बुधवार को आयोजित प्रेस वार्ता में चतरा एसडीपीओ सन्नी वर्धन ने बताया कि 21 जुलाई को हंटरगंज थाना कांड संख्या 142/2023 में फरार चल रहे तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है। गिरफ्तार आरोपियों में सोमर भूईयां उर्फ जगदीश भूईयां (50 वर्ष), पिता स्व. जीतन भूईयां, सुरेन्द्र भूईयां (30 वर्ष), पिता मरछु भूईयां तथा नन्दु कुमार (28 वर्ष), पिता बालो भूईयां शामिल हैं। तीनों आरोपी हंटरगंज थाना क्षेत्र के सोनवर्षा गांव के निवासी हैं। भूमि विवाद में गई थी एसएसबी जवान की जानः एसडीपीओ ने बताया कि वर्ष 2023 में आमीन गांव में मात्र दो डिसमिल जमीन को लेकर विवाद हुआ था। इसी विवाद ने हिंसक रूप ले लिया और एसएसबी के जवान शिवकुमार यादव, जो आमीन गांव के निवासी थे। उनकी पीट पीट कर हत्या कर दी गई थी। घटना के बाद हंटरगंज थाना में कांड संख्या 142/2023 दर्ज कर पुलिस मामले की जांच में जुटी थी। हालांकि मुख्य आरोपी लगातार फरार चल रहे थे, जिसके कारण उनकी गिरफ्तारी नहीं हो पा रही थी। लगातार छापेमारी के बाद मिली सफलता पुलिस ने गुप्त सूचना एवं तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर लगातार छापेमारी अभियान चलाया। इसी क्रम में तीनों फरार प्राथमिक अभियुक्तों को गिरफ्तार कर लिया गया। गिरफ्तारी के बाद आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी कर उन्हें न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

प्राइवेट गार्ड की हत्या का मामला : आरोपी बॉडीगार्ड बलबीर का रहा है पुराना खूनी इतिहास

2017 में अपने ही बटालियन के चार साथियों की ली थी जान

संवाददाता

चतराः शहर में नेक्सा शो रुम के पास दिनदहाड़े हुई प्राइवेट गार्ड की सनसनीखेज हत्या मामले में चौंकाने वाले खुलासे हुए हैं। मुख्य आरोपी बलवीर सिंह इससे पूर्व भी गोली चलाकर हत्याकांड को अंजाम दे चूका है। वह पूर्व मे सीआईएसफ का जवान रह चूका है। उसने बिहार के औरंगाबाद जिले में प्रतिनियुक्ति के दौरान केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) के चार जवानों की हत्या कर दी थी। जिसके बाद बिहार के प्रशासनिक व राजनीतिक गलियारों में हड़कंप मच गया था। जांच में सामने आया है कि आरोपी बलवीर सिंह (मूल निवासीः रायपुर, अलीगढ़, उत्तर प्रदेश) पूर्व में सीआईएसएफ का जवान था। 12 जनवरी 2017 को बिहार के औरंगाबाद स्थित नबीनगर पावर प्लांट में तैनाती के दौरान उसने अपनी सर्विस राइफल (5.56 एमएम इंसास) से अंधाधुंध फायरिंग कर अपने ही 4 सहयोगियों हेड कांस्टेबल बच्चा शर्मा, अमरनाथ मिश्रा, अरविंद कुमार और एएसआई जीएस. राम की निर्मम हत्या कर दी थी। उस समय विभागीय तानों से क्षुब्ध होकर इस आत्मघाती कदम को अंजाम देने की बात बलबीर ने स्वीकारी थी। घटना के बाद उसे गिरफ्तार कर जेल भेजते हुए सेवा से बर्खास्त कर दिया गया था।

- पत्नी का भी रायफल के बट से मारकर फोड़ दिया था सर
- यात्री वाहन चालक पर भी किया था जानलेवा हमला
- विधायक मनोरमा देवी का बेटा और बिहार पुलिस का जवान भी जांच के घेरे में..?

करीब साढ़े तीन वर्षों तक जेल मे रहने के बाद वह बेल पर बाहर निकला था। जेल से निकलने के बाद बलबीर नें प्राइवेट सिक्योरिटी एजेंसी ज्वाइन कर ली थी। बलबीर के परिजनों के अनुसार सीआईएसएफ मे वर्ष 2008 मे उसकी नौकरी लगी थी। नौकरी लगने के दो वर्षो के बाद से व्हाट्सप्प मानसिक रूप से परेशान रहने लगा था। परिजनों के अनुसार बलबीर के मानसिक स्थिति का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि उसने अपनी पत्नी का सर आवेश मे आकर रायफल के बट से मारकर फोड़ दिया था। इतना ही नहीं इसने उस वाहन के चालक को भी मारने का प्रयास किया था जिस गाड़ी से वह यात्रा कर रहा था। बहरहाल मामला जो भी हो यह तो जांच का विषय है, लेकिन इस बात से भी तनिक इंकार नहीं किया जा सकता है कि बलवीर के करतूतों ने एक बार फिर झारखंड और बिहार के राजनीतिक गलियारों के साथ-साथ प्रशासनिक महकमें में हड़कंप मचा दिया है। हालांकि पुलिस के बड़े अधिकारी इस पूरे मामले के हर पहलू की गहनता से जांच की बात कह रहे हैं।

बीजेपी कार्यालय घेराव: बैरिकेडिंग तोड़ कांग्रेस व बीजेपी कार्यकर्ता भिडे, पत्थरबाजी, पुलिस ने किया लाठीचार्ज

मेट्रो रेज

रांची : राजधानी के हरमू रोड स्थित भाजपा प्रदेश कार्यालय के बाहर राजनीतिक प्रदर्शन हिंसक झड़प में बदल गया। भाजपा और कांग्रेस के हजारों कार्यकर्ता आमने-सामने आ गए। जिसके बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। नीट पेपर लीक मामले को लेकर भाजपा कार्यालय का घेराव करने पहुंचे कांग्रेस कार्यकर्ताओं को रोकने के लिए लगाई गई बैरिकेडिंग प्रदर्शन के दौरान तोड़ दी गयी। इसके बाद दोनों दलों के कार्यकर्ता आमने-सामने भिड़ गए और एक-दूसरे के खिलाफ जमकर नारेबाजी के बीच धक्का-मुक्की शुरू हो गई।

अंडे टमाटर फेंकने के बाद शुरू हुई हाथापाई: मौके पर दोनों पक्षों की ओर से लगातार अंडे, टमाटर और पानी की बोतलें फेंकी जा रही हैं। देखते ही देखते स्थिति और बिगड़ गई और भाजपा और कांग्रेस के कार्यकर्ताओं के बीच हाथापाई शुरू हो गई। हालात बेकाबू होते देख पुलिस और प्रशासन को बल प्रयोग करना पड़ा। बड़ी संख्या में तैनात पुलिसकर्मी दोनों पक्षों को अलग करने में जुटे हैं। मौके पर लाठीचार्ज जैसी स्थिति बन गई है और पुलिस लगातार भीड़ को पीछे धकेलने का प्रयास कर रही है।

अग्रवाल सभा और कश्यप मेमोरियल आई बैंक ने किया नेत्रदान जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

महापौर व उप महापौर ने भरा शपथ पत्र

मेट्रो रेज

रांची: अग्रवाल सभा, रांची की महिला समिति शाखा एवं कश्यप मेमोरियल आई बैंक के संयुक्त तत्वावधान में महाराजा अग्रसेन भवन में आयोजित 27वें तीन दिवसीय सावन महोत्सव मेले के दूसरे दिन नेत्रदान जागरूकता अभियान के साथ-साथ सावन सिंधारा एवं झूलोत्सव का भव्य आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि महापौर रोशनी खलखो एवं विशिष्ट अतिथि उप महापौर नीरज कुमार विशेष रूप से उपस्थित रहे। इस अवसर पर महापौर रोशनी खलखो, उप महापौर नीरज कुमार, अग्रवाल सभा के अध्यक्ष, मंत्री एवं उपस्थित सभी पदाधिकारियों ने नेत्रदान का संकल्प पत्र (फॉर्म) भरकर इस पुण्य कार्य में अपनी सहभागिता दर्ज की।

समारोह को संबोधित करते हुए महापौर रोशनी खलखो और उप महापौर नीरज कुमार ने डॉ। भारती कश्यप से शहर के सभी 53 वार्डों में शिविर आयोजित कर लोगों को नेत्रदान के लिए जागरूक करने की अपील की। महापौर ने आश्वस्त किया कि इस

अभियान के लिए रांची नगर निगम और वे स्वयं हर संभव सहयोग प्रदान करेंगे। उन्होंने कहा कि जागरूकता फैलाने के लिए हमें जन-जन तक पहुँचना होगा।

कश्यप मेमोरियल आई बैंक की मेडिकल डायरेक्टर डॉ। भारती कश्यप ने बताया कि वर्ष 1996 से अब तक आई बैंक द्वारा 1,089 सफल नेत्र प्रत्यारोपण किए जा चुके हैं, फिर भी राज्य में कई मरीज प्रतीक्षा सूची में हैं। कॉर्निया की कमी के कारण बाहर से कॉर्निया मंगानी पड़ती है, जिससे गरीब व मध्यमवर्गीय परिवारों पर आर्थिक बोझ बढ़ता है। उन्होंने राज्य के प्रमुख अस्पतालों में 'कॉर्निया रिट्रीवल प्रोग्राम मॉडल' लागू करने की अपील की ताकि ₹कॉर्निया जनित दृष्टिहीनता से मुक्त झारखंड₹ का लक्ष्य साकार हो सके।

सावन सिंधारा, झूलोत्सव और मेले में जमकर हुई खरीदारी: कार्यक्रम के दौरान महिलाओं द्वारा सावन सिंधारा एवं झूलोत्सव मनाया गया। महिलाओं और बहू-बेटियों ने सावन के गीतों पर नृत्य किया, झूला झूला, अंताक्षरी व मजेदार गेम्स खेले और विजेताओं को पुरस्कृत किया गया।

सावन महोत्सव मेले में 100 से अधिक स्टॉल लगाए गए हैं, जिनमें जयपुरिया ज्वेलरी, कोलकाता, बनारस व भागलपुर की डिजाइनर साड़ियाँ, शादी के लहंगे, एक्सक्लूसिव सूट, हस्तशिल्प उत्पाद, रंग-बिरंगी राखियाँ, लड्डू गोपाल की पोशाकें, सजावटी सामान तथा अचार-पापड़ आदि का महिलाओं ने जमकर लुत्फ उठाया और खरीदारी की।

इस कार्यक्रम को सफल बनाने में अग्रवाल सभा के पदाधिकारियों और महिला समिति की सदस्यों का सराहनीय योगदान रहा।

हाईकोर्ट परिसर में फुटबॉल ग्राउंड बनाए जाने को लेकर बढ़ा विवाद

रांची : हाईकोर्ट परिसर में फुटबॉल ग्राउंड बनाए जाने के मुद्दे को लेकर झारखंड हाईकोर्ट के वकीलों ने अब कानूनी रुख अख्तियार किया है। फुटबॉल ग्राउंड बनाए जाने से हाईकोर्ट के वकील सहमत नहीं दिख रहे हैं और इस मामले को लेकर उन्होंने हाईकोर्ट में एक याचिका दाखिल की है। इस याचिका को गुरुवार को हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस की कोर्ट में मेंशन किया और जल्द सुनवाई का आग्रह किया। वकीलों के मेंशन आग्रह को स्वीकार करते हुए अदालत ने याचिका से जुड़े पक्षकारों को नोटिस जारी किया है और याचिका पर सुनवाई के लिए सोमवार (27 जुलाई) की तिथि निर्धारित की है।

यह जानकारी हाईकोर्ट एडवोकेट एसोसिएशन एडहॉक कमेटी के महासचिव नवीन कुमार ने दी। सुनवाई के दौरान हाईकोर्ट के कई वकील कोर्ट में उपस्थित रहे। याचिका में कहा गया है कि अगर हाईकोर्ट परिसर में खाली भूमि पर फुटबॉल ग्राउंड बनाने का प्रस्ताव है तो उसकी जगह वकीलों के लिए चैंबर और नये वकीलों के बैठने के लिए जगह बना दी जाए। क्योंकि फिलहाल जितनी जगह उपलब्ध है वह काफी नहीं है।

जेपीएससी परीक्षा अनियमितता मामला

उप परीक्षा नियंत्रक समेत पांच आरोपी गिरफ्तार,जांच जारी

मेट्रो रेज

रांची: झारखंड लोक सेवा आयोग (जेपीएससी) की 14वीं सिविल सेवा परीक्षा में कथित धांधली और अनियमितताओं के मामले में सीआईडी ने बड़ी कार्रवाई करते हुए असिस्टेंट एग्जामिनेशन कंट्रोलर समेत पांच लोगों को गिरफ्तार किया है। मामले की जांच तेज कर दी गई है और कई महत्वपूर्ण दस्तावेज व इलेक्ट्रॉनिक उपकरण जब्त किए गए हैं। हालांकि, गिरफ्तारी की आधिकारिक पुष्टि अभी तक नहीं की गई है।

मिली जानकारी के अनुसार, गिरफ्तार लोगों में जेपीएससी की असिस्टेंट एग्जामिनेशन कंट्रोलर श्वेता गुप्ता तथा परीक्षा आयोजित कराने वाली आउटसोर्सिंग एजेंसी टीडीपीएल के अभय कुमार, राजवीर सिंह और एजेंसी के दो अन्य कर्मी शामिल हैं।

जेपीएससी और टीडीपीएल कार्यालय में छापेमारी: मंगलवार को सीआईडी और रांची पुलिस की संयुक्त टीम ने पहले जेपीएससी कार्यालय में व्यापक छापेमारी की। इसके बाद जांच का दायरा बढ़ाते हुए परीक्षा संचालन से जुड़ी आउटसोर्सिंग एजेंसी टीडीपीएल के कार्यालयों पर भी छापेमारी की गई। कार्रवाई के बाद टीडीपीएल के कार्यालय को सील कर दिया गया।

श्वेता गुप्ता की भूमिका जांच के घेरे में: जांच के दौरान सीआईडी ने श्वेता गुप्ता से पूछताछ की। आरोप है कि 22 मई को उनका तबादला खाद्य आपूर्ति विभाग में होने के बावजूद उन्होंने दोबारा जेपीएससी में कार्यभार संभाल लिया था। यह भी आरोप है कि परीक्षा से जुड़े अधिकांश महत्वपूर्ण और गोपनीय कार्य उनके पास ही केंद्रित थे तथा अन्य कर्मचारियों को इस प्रक्रिया से अलग रखा गया था।

डिजिटल साक्ष्यों की जांच जारी: सीआईडी ने छापेमारी के दौरान कई महत्वपूर्ण दस्तावेज और इलेक्ट्रॉनिक उपकरण जब्त किए हैं। जांच एजेंसी गिरफ्तार आरोपियों और एजेंसी से जुड़े अन्य लोगों से गुप्त स्थान पर पूछताछ कर रही है। अधिकारियों का मानना है कि डिजिटल साक्ष्यों की जांच के बाद इस मामले में कई और महत्वपूर्ण खुलासे हो सकते हैं। फिलहाल सीआईडी ने मामले में विस्तृत आधिकारिक जानकारी जारी नहीं की है।

वरीय पुलिस अधीक्षक का कार्यालय, राँची

सर्वसाधारण के लिए सूचना

नाम–सुरज स्वाँसी, उम्र–23 वर्ष, ऊँचाई–5 फीट 6 ईंच, रंग–साँवला, पहनावा–चेक रंग का शर्ट एवं सफेद रंग का जींस पहने हुए है।

उपरोक्त लापता व्यक्ति सुरज स्वाँसी, उम्र–23 वर्ष, पिता–महेश्वर स्वाँसी, सा0–काशमबुरूडीह, थाना–तमाड़, जिला–राँची जो दिनांक–10.07.2026 को घर से बगैर बताए कहीं चले गए जो आजतक अपने घर वापस नहीं आए है। जिसके संबंध में तमाड़ थाना सन्हा सं0–10/2026, दिनांक–13.07.2026 दर्ज कर इनकी खोजबीन की जा रही है। उपरोक्त सूचना को सार्वजनिक किया जाना आवश्यक है।

अतः सभी जनसाधारण से अनुरोध है कि यदि उपरोक्त लापता व्यक्ति कहीं मिलता/दिखता है तो इसके संबंध में वरीय पुलिस अधीक्षक के कार्यालय में या निम्नांकित फोन नम्बर पर संपर्क कर इसकी सूचना दें।

Email ID(rnc-dcb@jhpolice.gov.in)

अनु0 पुलिस पदा0, बुण्डु, राँची।	–9431706144
थाना प्रभारी, तमाड़, राँची।	–9431706993
आवेदक महेश्वर स्वाँसी ।	–8987835327

वरीय पुलिस अधीक्षक,
राँची

PR 385563 Police(26-27)#D

जेपीएससी परीक्षा विवाद: पूर्व अध्यक्ष एल. ख्यांग्ते के आवास पर सीआईडी की रेड, तेज हुई जांच

मेट्रो रेज

रांची: झारखंड लोक सेवा आयोग (जेपीएसी) की परीक्षा में कथित अनियमितताओं और धांधली के मामले में सीआईडी की कार्रवाई लगातार तेज होती जा रही है। गुरुवार को सीआईडी की टीम ने जेपीएससी के निवर्तमान अध्यक्ष एवं राज्य के पूर्व मुख्य सचिव एल. ख्यांग्ते के कांके रोड स्थित आवास पर छापेमारी की। इस दौरान टीम के साथ पुलिस बल भी मौजूद रहा। जांच एजेंसी ने मामले से जुड़े दस्तावेजों और अन्य महत्वपूर्ण साक्ष्यों की जांच शुरू कर दी है। इससे पहले सीआईडी ने परीक्षा में गड़बड़ी की शिकायतों के आधार पर कांड संख्या 16/2026 दर्ज कर जांच प्रारंभ की थी। मामले में अब तक पांच लोगों की गिरफ्तारी हो चुकी है।

21 जुलाई को जेपीएसी कार्यालय समेत कई ठिकानों पर हुई थी छापेमारी: राज्य सरकार के निर्देश पर 21 जुलाई को सीआईडी की विशेष टीम ने रांची पुलिस के सहयोग से बड़ी कार्रवाई करते हुए जेपीएससी कार्यालय, परीक्षा आयोजित करने वाली एजेंसी टीएसआर डाटा प्रोसेसिंग प्राइवेट लिमिटेड के कार्यालय तथा राज्य के अन्य संबंधित ठिकानों पर एक साथ छापेमारी की थी। छापेमारी के दौरान जांच टीम ने कई महत्वपूर्ण दस्तावेज, डिजिटल साक्ष्य और अन्य सामग्री जब्त की थी। प्रारंभिक जांच में मिले तथ्यों के आधार पर सीआईडी ने मामले की जांच को और तेज कर दिया।

मुख्यमंत्री पशुधन विकास योजना के लाभुकों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम

अब तक कल 890 पशुपालकों को किया गया प्रशिक्षित

मेट्रो रेज

रांची: प्रशिक्षण एवं प्रसार संस्थान (गव्य विकास), धुर्वा, रांची के सभागार में मुख्यमंत्री पशुधन विकास योजना के चयनित लाभुकों को प्रशिक्षण दिया गया। इसमें रांची, हजारीबाग, चतरा, लातेहार, पूर्वी सिंहभूम, सरायकेला, पलामू, कोडरमा जिला के पशुपालक शामिल हुए। मुख्यमंत्री पशुधन विकास योजना अन्तर्गत चयनित लाभुकों को दुधारू पशु प्रबंधन एवं पशु पोषण विषय पर प्रशिक्षण देने हेतु पांचवें बैच के प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्घाटन कृषि, पशुपालन व सहकारिता विभाग के संयुक्त सचिव रवि शंकर विद्यार्थी ने किया। उन्होंने पशुपालकों से योजना का शत-प्रतिशत लाभ उठाने की अपील की।

डॉ संजीव कुमार, निदेशक, गव्य, डॉ मनोज कुमार तिवारी, उप निदेशक, त्रिशुल प्रकाश सिंह, राहायक निदेशक (गव्य) राह-मुख्य अनुदेशक, प्रशिक्षण एवं प्रसार संस्थान, राची, राजीव रंजन, राहायक निदेशक (गव्य), उदित कुमार, प्रशाखा पदाधिकारी एवं बाल गोबिन्द महली, उच्च वर्गीय लिपिक एवं प्रशिक्षण एवं प्रसार संस्थान के सभी कर्मी की उपस्थिति में दीप प्रज्वलित कर प्रशिक्षण सत्र का विधिवत् उद्घाटन किया गया। साथ ही पशुपालकों के बीच प्रशिक्षण किट का वितरण किया गया।

झारखण्ड फिल्म डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन लिमिटेड और सत्यजीत रे फिल्म एंड टेलीविजन इंस्टीट्यूट, कोलकाता के बीच हुआ एमओयू

रांची: झारखंड के होनहार और क्रिएटिव युवाओं के लिए राज्य सरकार ने एक बेहतर प्लेटफार्म तैयार किया है। इस प्लेटफार्म का आज विधिवत रूप से झारखंड सरकार का एक अंग झारखंड फिल्म डेवलपमेंट कॉरपोरेशन लिमिटेड' और 'सत्यजीत रे फिल्म एंड टेलीविजन इंस्टीट्यूट, कोलकाता' के सहयोग से स्थापित

किया जा रहा है। हालांकि, इस संदर्भ में आगे काम कैसे होना है, कैसे इस संस्था को और इस प्लेटफार्म को विस्तारित किया जाएगा, इसी के लिए राज्य सरकार सत्यजीत रे फिल्म एंड टेलीविजन इंस्टीट्यूट, कोलकाता का सहयोग ले रही है। ?निश्चित रूप से हम सभी लोग आज विभिन्न सोशल मीडिया, समाचार पत्रों और सूचना तंत्रों के माध्यम से कई कलाकारों की गतिविधियों को देख रहे हैं। कोई फिल्म बना रहा है, कोई रील बना रहा है, तो कोई अलग-अलग क्षेत्र में अपनी विशेषताओं को आमजनों तक पहुंचा रहा है। यूँ कहा जा सकता है कि यह एक बहुत ही क्रिएटिव क्षेत्र है, जो आपको छोटे स्तर से एक बड़े व्यावसायिक क्षेत्र तक ले जाता है, जहाँ आप कैमरे के सामने भी होते हैं और एक बहुत बड़ी फौज कैमरे के पीछे भी होती है। व्यस्त कार्यक्रमों के बीच भी कभी कानों से सुनने तो कभी आंखों से देखने का मौका मिलता है। उक्त बातें मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने आज झारखंड मंत्रालय सभागार में आयोजित झारखण्ड फिल्म डेवलपमेंट कॉपोरेशन लिमिटेड और सत्यजीत रे फिल्म एंड टेलीविजन इंस्टीट्यूट, कोलकाता के बीच एमओयू हस्ताक्षर समारोह को संबोधित करते हुए कही।

राँची समाहरणालय, राँची

(भू–अर्जन शाखा)

www.dlaoranchi.in, dlaoranchi@gmail.com

करांजी मोड़ (बेड़ो) से चट्टी भाया नरकोपी रेलवे स्टेशन पथ परियोजना।

सूचना

मुआवजा राशि का प्रकार :– भूमि/मकान/संरचना का मुआवजा।

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि उपरोक्त भूमि अर्जन बाद में आपको हितबद्ध व्यक्ति समझा गया है, परन्तु आपके द्वारा आजतक अधिग्रहित भूमि से संबंधित दस्तावेज एवं वैध रैयती प्रमाण पत्र यथा (बंध पत्र, शपथ पत्र, निबंधित केवाला, खतियान, अद्यतन लगान रसीद, बैंक पासबुक, आधार कार्ड, बंटवारा/आपसी सहमति, पासपोर्ट आकार का दो फोटोग्राफ, भू–धारण प्रमाण पत्र एवं वंशावली अंचल द्वारा निर्गत) दस्तावेज के साथ दावा पत्र जिला भू–अर्जन कार्यालय, राँची को उपलब्ध नहीं कराया गया है।

अतः आपको अंतिम रूप से समारित किया जा रहा है कि आप अपना मुआवजा भुगतान लेने हेतु अधिग्रहित भूमि से संबंधित उपरोक्त वैध दस्तावेजों के साथ दावा पत्र जिला भू–अर्जन कार्यालय, राँची में 15 दिनों के अन्दर जमा करें। मुआवजा भुगतान हेतु दावा पत्र निर्धारित तिथि तक प्रस्तुत नहीं किये जाने पर यह समझा जाएगा की आपको मुआवजा प्राप्त करने में कोई अभिरूचि नहीं है। अन्यथा मुआवजा की राशि L.A. कोर्ट में संदर्भित कर दी जाएगी।

अधिग्रहित भूमि का विवरण :–

मौजा–नरकोपी, अंचल–बेड़ो, थाना सं०–58

खाता सं०	सर्वे प्लॉट सं०	अर्जन के अधीन क्षेत्रफल (एकड़ में)	हितबद्ध व्यक्ति का नाम व पता	मुआवजा राशि	अभियुक्ति
69	623	0.02	लचु महतो वल्द धुमा महतो	2,06,000.00	आवेदन अप्राप्त।
	624	0.03			

मौजा–खटंगा, अंचल–बेड़ो, थाना सं०–50

खाता सं०	सर्वे प्लॉट सं०	अर्जन के अधीन क्षेत्रफल (एकड़ में)	हितबद्ध व्यक्ति का नाम व पता	मुआवजा राशि	अभियुक्ति
355	372	0.048	बकास्त भुईहरी रामदेव राम वो मोहन राम, गन्दुर राम वगैरह	4,19,449.00	आवेदन अप्राप्त।
	373	0.063			
	379	0.008			
	380	0.012			
358	288	0.049	बकास्त भुईहरी	11,32,165.00	आवेदन अप्राप्त।
	374	0.058			
	377	0.023			

मौजा–कोटपाली, अंचल–बेड़ो, थाना सं०–62

खाता सं०	सर्वे प्लॉट सं०	अर्जन के अधीन क्षेत्रफल (एकड़ में)	हितबद्ध व्यक्ति का नाम व पता	मुआवजा राशि	अभियुक्ति
20	658	0.165	रघु अहीर वो बुधराम अहीर वल्द मनबोध अहीर वगैरह	6,79,800.00	आवेदन अप्राप्त।
67	674	0.0500	अह्लाद तेली वल्द लीटा तेली वगैरह	2,06,000.00	आवेदन अप्राप्त।
116	670	0.0525	बीसुन पहान वगैरह (बकास्त भुईहरी)	2,16,300.00	आवेदन अप्राप्त।

PR 385589 Land Reforms(26-27)D

जिला भू–अर्जन पदाधिकारी,राँची।

सुविचार

सबसे मुश्किल रास्ता वह होता है जब आपको अकेले चलना पड़ता है, लेकिन वही रास्ता आपको मजबूत भी बनाता है।

अमेरिकी सैन्य शिक्षा तैयार कर रही भावी रणनीतिकार

सैन्य प्रशिक्षण के बारे में सोचते ही मन में कीचड़ से भरे प्रशिक्षण शिविरों में शारीरिक अभ्यास या राइफल ड्रिल करते कैडेटों की तस्वीर उभरती है। हालांकि, सैन्य शिक्षा का एक और पहलू भी है। ऐसी कक्षा- जहां व्यावसायिक सैन्य शिक्षा के अभिन्न हिस्से के रूप में बड़ी मात्रा में बौद्धिक तैयारी होती है। रक्षा विश्लेषक रामकृष्ण रमानी ने हाल ही में अमेरिकी विदेश विभाग के आईवीएलपी कार्यक्रम 'वी द पीपलः मिलिट्री एजुकेशन इन अमेरिका' के दौरान इन संरचनात्मक ढांचों का अध्ययन किया। रमानी भारत के चेन्नई स्थित एसआरएम इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी और मद्रास विश्वविद्यालय में रक्षा और रणनीतिक अध्ययन पढ़ाते हैं। उन्होंने विशेष व्यावसायिक सैन्य शिक्षा संगोष्ठियों में भाग लिया। साथ ही व्यावहारिक युद्धाभ्यास सत्र में शामिल हुए। कई शहरों में सैन्य शिक्षा विशेषज्ञों और सरकारी प्रतिनिधियों के साथ बातचीत की। वह कहते हैं, "अमेरिकी व्यावसायिक सैन्य शिक्षा मॉडल ऐसे नेताओं को तैयार करने का एक खाका प्रस्तुत करता है, जो आज के अप्रत्याशित सुरक्षा परिदृश्य को समझ सकें। शिक्षा और रणनीतिक सोच में निवेश करके राष्ट्र ऐसे लीडर तैयार कर सकते हैं, जो न केवल आज के युद्धों के लिए तैयार हों, बल्कि कल के रणनीतिक परिदृश्य का अनुमान लगाने, उसके अनुसार ढलने और उसे आकार देने में भी सक्षम हों।" वह कहते हैं अमेरिकी सैन्य शिक्षा प्रणाली रणनीतिक सोच को कौशल में बदलने में सक्षम है। यह सभी पेशेवर सेनाओं की तरह करियर को निखारती है। यह प्रणाली सामरिक विशेषज्ञों को रणनीतिक विचारकों में बदलने के लिए तैयार की गई है। रमानी कहते हैं, "इसलिए कक्षाओं में कोई अतिरिक्त गतिविधि नहीं होती।" सैन्य नेतृत्व और संयुक्त सेवा की नींवः यह व्यापक शिक्षा प्रारंभिक स्तर से ही शुरू हो जाती है, जिसमें विद्यार्थियों को सक्रिय सैन्य सेवा में प्रवेश करने से काफी पहले रणनीतिक ढांचों से परिचित कराया जाता है। रमानी ने इसका प्रत्यक्ष अनुभव पेंसाकोला हाई स्कूल और कलैराडो मिलिट्री अकादमी में किया। दोनों संस्थान एयर फोर्स जूनियर रिजर्व ऑफिसर्स ट्रेनिंग कॉर्प्स की मेजबानी करते हैं। यह अमेरिकी सशस्त्र बलों द्वारा पूरे अमेरिका के हाई स्कूलों में प्रायोजित एक फेडेरल कार्यक्रम है। रमानी बताते हैं, "ग्रेड 8 और उससे ऊपर के छात्रों को परेड ड्रिल के अलावा बुनियादी सैन्य विज्ञान, इतिहास, विश्व मामलों की मूल बातें और ड्रोन निर्माण व संचालन, उपग्रह नेविगेशन जैसी प्रासंगिक तकनीकों से परिचित कराया जाता है।" वह कहते हैं कि जब ये विद्यार्थी उच्च शिक्षा की ओर बढ़ते हैं तो वे विशेष विश्वविद्यालय आधारित कार्यक्रमों से जुड़ते हैं। रमानी कहते हैं, "आमतौर पर युवा हाईस्कूल ग्रेजुएट वेस्ट प्वाइंट जैसे सेवा अकादमियों में प्रवेश करते हैं या कॉलेज के विद्यार्थी रिजर्व ऑफिसर्स ट्रेनिंग कॉर्प्स में शामिल होते हैं।" इसकी विशेषता है कि जैसे-जैसे अधिकारी रैंक में ऊपर बढ़ते हैं, शिक्षा प्रणाली भी अपना स्वरूप बदलती है। शुरूआती वर्षों में ध्यान सामरिक और क्षेत्र-आधारित प्रशिक्षण पर रहता है, ताकि नए नियुक्त अधिकारी किसी अभियान के दौरान एक प्लाटून का सुरक्षित नेतृत्व करना सीख सकें। कुछ वर्षों की सेवा के बाद आमतौर पर मेजर के पद के आसपास, सैन्यकर्मी फिर से कक्षा के माहौल में लौटते हैं। रमानी कहते हैं, "इसी चरण में वे सीखते हैं कि सेना की विभिन्न शाखाएं किस प्रकार तालमेल के साथ काम करती हैं ताकि अधिक रणनीतिक परिणाम हासिल किए जा सकें।" रमानी के अनुसार, समर लीडर्स एक्सपीरियंस कार्यक्रम ने अमेरिका के विभिन्न हिस्सों से आए हाईस्कूल के विद्यार्थियों को वेस्ट प्वाइंट स्थित यूएस मिलिट्री एकेडमी को प्रत्यक्ष रूप से जानने और समझने का अवसर प्रदान किया। इस कार्यक्रम के तहत लगभग 1,600 ऐसे विद्यार्थियों, जो अगले वर्ष हाई स्कूल के अंतिम वर्ष में प्रवेश करने वाले हैं, ने तीन अलग-अलग पांच दिवसीय सत्रों में भाग लेकर कैडेट के जीवन का अनुभव प्राप्त किया। यह कार्यक्रम अमेरिकी सेना के उस दृष्टिकोण को दर्शाता है, जिसके तहत विद्यार्थियों को वेस्ट प्वाइंट जैसी सेवा अकादमियों में प्रवेश लेने या रिजर्व ऑफिसर्स ट्रेनिंग कॉर्प्स से जुड़ने से पहले ही नेतृत्व और सैन्य शिक्षा से परिचित कराया जाता है। अमेरिकी वॉर कॉलेज और नेशनल डिफेंस यूनिवर्सिटी का परिदृश्य अद्भुत होता है। इस संस्थागत ढांचे का वास्तविक प्रभाव तब स्पष्ट होता है जब अधिकारी रक्षा नेतृत्व के उच्चतम स्तरों तक पहुंचते हैं। इसी समय वे प्रतिष्ठित वॉर कॉलेजों में प्रवेश के पात्र बनते हैं। रमानी के अनुसार, "इस समय उन्हें युद्धक्षेत्र वाली मानसिकता को छोड़कर एक राजनेता की सोच अपनानी होती है।" रमाना के अनुसार, यह वरिष्ठ स्तर की व्यवस्था सेवा-विशिष्ट शाखाओं और संयुक्त संस्थानों के एक अत्यधिक समन्वित नेटवर्क के रूप में काम करती है, जिसका समापन वॉशिंगटन डी.सी. स्थित नेशनल डिफेंस यूनिवर्सिटी में होता है। रमानी बताते हैं, "अमेरिकी सेना वॉर कॉलेज जैसे संस्थानों में लक्ष्य ऐसे लीडर तैयार करना है, जो अनिश्चित और जटिल समस्याओं से निपट सकें तथा देश के नागरिक नेतृत्व को सैन्य सलाह दे सकें।" वह बताते हैं कि अर्थशास्त्र और अंतरराष्ट्रीय संबंधों का प्रश्न-आधारित अध्ययन अधिकारियों को यह समझाता है कि सेना किसी देश के रणनीतिक साधनों में से केवल एक साधन है। इन रक्षा रणनीतियों को राष्ट्रीय उद्देश्यों से जोड़ने के लिए वॉर कॉलेज सहयोगात्मक शैक्षणिक वातावरण का उपयोग करते हैं। रमानी कहते हैं, "वे विभिन्न सरकारी एजेंसियों के नागरिक अधिकारियों और मित्र देशों के अंतरराष्ट्रीय अधिकारियों के साथ कक्षाएं साझा करते हैं। यह विविध मिश्रण सुनिश्चित करता है कि वे जटिल वैश्विक समस्याओं का समाधान मिलकर करना सीखें।" वह कहते हैं कि राष्ट्रीय सुरक्षा शिक्षा प्रणाली एक दोहरी व्यवस्था वाले पारिस्थितिकी तंत्र के रूप में काम करती है, जो संरचित सैन्य प्रशिक्षण को विविध और विकेंद्रीकृत नागरिक शैक्षणिक विशेषज्ञता के साथ संतुलित करती है। जॉन्स हॉपकिन्स स्कूल ऑफ एडवांस्ड इंटरनेशनल स्टडीज, हार्वर्ड कैनेडी स्कूल और प्रिंसटन स्कूल ऑफ पब्लिक एंड इंटरनेशनल अफेयर्स जैसे संस्थान राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए बौद्धिक केंद्र के रूप में काम करते हैं। उच्च प्रदर्शन करने वाले सैन्य अधिकारियों को नियमित रूप से नेशनल सिक्योरिटी फेलो के रूप में इन विश्वविद्यालयों में भेजा जाता है, ताकि पारंपरिक सैन्य सोच में महत्वपूर्ण बौद्धिक विविधता लाई जा सके। इसी प्रकार, युद्ध संबंधी कॉलेजों में नागरिक संकाय सदस्यों की उपस्थिति अकादमिक कठोरता और व्यापक दृष्टिकोण प्रदान करती है। रमानी कहते हैं, "शीर्ष युद्ध संबंधी कॉलेजों के संकाय का एक महत्वपूर्ण हिस्सा सैन्य इतिहास, अंतरराष्ट्रीय संबंधों और रणनीतिक अध्ययन में विशेषज्ञता रखने वाले पीएचडी धारक नागरिक शिक्षकों से बना है।" यह अकादमिक एकीकरण विशेष संयुक्त डिग्री पहलों और गहन शोध नेटवर्क तक भी विस्तारित है। उदाहरण के लिए, अमेरिकी स्पेस फोर्स स्कूल ऑफ एडवांस्ड इंटरनेशनल स्टडीज के साथ साझेदारी करके श्राइवर स्पेस स्कॉलर्स प्रोग्राम संचालित करती है, जिसके माध्यम से कर्मी नागरिक शैक्षणिक वातावरण में सैन्य रणनीति में मास्टर डिग्री प्राप्त कर सकते हैं। जैसे-जैसे अधिकारी वरिष्ठ प्रबंधन स्तरों तक पहुंचते हैं, पाठ्यक्रम संयुक्त, अंतर-एजेंसी, अंतर-सरकारी और बहुराष्ट्रीय कार्यक्रमों की ओर बढ़ता है, जिससे संस्थागत सीमाओं को पार किया जा सके। रमानी ने जिन सबसे प्रभावशाली उपकरणों को प्रत्यक्ष रूप से देखा, उनमें से एक सिद्धांत को वास्तविक दुनिया की तैयारी में बदलने के लिए इंटरैक्टिव सिमुलेशन का उपयोग था।

चोरी भी... वापसी भी! आखिर भारत की सांस्कृतिक धरोहरों का प्रहरी कौन?

सबसे अधिक चिंता की बात इस तोप चोरी प्रकरण में यह है कि घटना से पहले संदिग्ध गतिविधियों की सूचना स्थानीय लोगों ने दी थी। सुरक्षा बढ़ाने की मांग भी हुई थी, किंतु जिम्मेदार तंत्र ने इसे गंभीरता से नहीं लिया। जिस किले में करोड़ों रुपये मूल्य की ऐतिहासिक धरोहर रखी हो, वहां न पर्याप्त रोशनी, न आधुनिक निगरानी व्यवस्था और न प्रशिक्षित सुरक्षा बल!

डॉ. मयंक चतुर्वेदी

संपदा एक ओर दुनिया से लौट रही हैं भारत की बेशकीमती पुरावस्तुएं, दूसरी ओर राज्यों की लापरवाही से देश के भीतर ही असुरक्षित हैं हमारी ऐतिहासिक विरासतें भारत इन दिनों अपनी सांस्कृतिक विरासत को लेकर दो बिल्कुल विपरीत धाराओं में चलता हुआ दिखाई दे रहा है। पहली तस्वीर गौरव से भर देने वाली है। दुनिया के बड़े-बड़े संग्रहालयों, निजी संग्रहों और नीलामी घरों में पहुंच चुकी भारत की सैकड़ों प्राचीन मूर्तियां, शिलालेख और कलाकृतियां प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में चलाए गए पुरा-संपदा वापसी अभियान के तहत एक-एक कर स्वदेश लौट रही हैं, तो दूसरी तस्वीर उतनी ही पीड़ादायक है। वस्तुतः देश के किलों, मंदिरों और संरक्षित स्मारकों से आज भी हमारी अमूल्य धरोहरें और मूर्तियां चोरी हो रही हैं। कई बार प्रशासन को इसकी भनक तक नहीं लगती, जब तक कि कोई इस बारे में ध्यान नहीं दिलाता है! सवाल यह है कि जब भारत विदेशों से अपनी खोई हुई विरासत वापस लाने में सफल हो रहा है, तब हम अपने ही घर की विरासत को सुरक्षित क्यों नहीं रख पा रहे? मध्य प्रदेश के शिवपुरी जिले के ऐतिहासिक ह्लनरवरह्व किले में हुई घटना ने इस प्रश्न को और अधिक सोचनीय बना दिया है। करीब पांच सौ वर्ष पुरानी, तीन हजार किलोग्राम से अधिक वजनी अष्टधातु की ऐतिहासिक तोप रात के अंधेरे में हथियारबंद बदमाश क्रेन और ट्रक के सहारे उठाकर ले गए। 25 से 30 बदमाशों का गिरोह आया, सुरक्षा कर्मियों को आधुनिक हथियारों के दम पर धमकाया और सदियों पुरानी धरोहर लेकर चला गया। यह किसी फिल्म की पटकथा नहीं, बल्कि भारत की विरासत सुरक्षा व्यवस्था की वास्तविक तस्वीर है।

सबसे अधिक चिंता की बात इस तोप चोरी प्रकरण में यह है कि घटना से पहले संदिग्ध गतिविधियों की सूचना स्थानीय लोगों ने दी थी। सुरक्षा बढ़ाने की मांग भी हुई थी, किंतु जिम्मेदार तंत्र ने इसे गंभीरता से नहीं लिया। जिस किले में करोड़ों रुपये मूल्य की ऐतिहासिक धरोहर रखी हो, वहां न पर्याप्त रोशनी, न आधुनिक निगरानी व्यवस्था और न प्रशिक्षित सुरक्षा बल! आखिर ऐसी लापरवाही की कीमत कौन चुका रहा है? इतिहास तो पहले ही चुका रहा है, देश के सामने अनेक मसले हैं जो ऐतिहासिक भूल के कारण आज भी भारत के समक्ष नासूर बने हुए हैं! ऐसे में यह घटना सोचने पर विवश कर रही है कि नरवर ही क्यों पिछले कई दशकों से देश के अनेक राज्य अंतरराष्ट्रीय पुरावस्तु तस्करों के लिए आसान निशाना क्यों बने हुए हैं! भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण के आंकड़े बताते हैं कि उसके संरक्षित स्मारकों से ही 480 से अधिक महत्वपूर्ण पुरावशेष गायब हो चुके हैं। सबसे अधिक प्रभावित राज्यों में मध्य प्रदेश, राजस्थान और उत्तर प्रदेश शामिल हैं। तमिलनाडु के चोलकालीन मंदिरों से लेकर बिहार के नालंदा संग्रहालय, कर्नाटक के होयसल मंदिरों, आंध्र प्रदेश के प्राचीन मंदिरों और हिमालयी क्षेत्रों के दुर्लभ देवस्थानों तक, शायद ही कोई ऐसा क्षेत्र बचा हो जहां तस्करों ने अपनी पहुंच न बनाई हो। खजुराहो की दुर्लभ मूर्तियां हों, तंजावुर के मंदिरों की कांस्य नटराज प्रतिमाएं, चंद्रकेतुगढ़ की मौर्यकालीन टेराकोटा कलाकृतियां या मथुरा की कुषाणकालीन प्रतिमाएं, आज भी भारत की हजारों अमूल्य धरोहरें वर्षों तक फर्जी दस्तावेजों के सहारे विदेशों के संग्रहालयों और निजी संग्रहों तक पहुंचती रही हैं। विरासत संरक्षण से जुड़े शोधकताओं द्वारा बार-बार तथ्यों एवं संदर्भों के आधार पर बताया जा रहा है कि भारत से हर दशक हजारों महत्वपूर्ण कलाकृतियां अवैध रूप से बाहर भेजी जाती हैं, जबकि वास्तविक चोरी के मामलों का बहुत छोटा हिस्सा ही पुलिस रिकॉर्ड तक पहुंच पाता है।

अब इसके उलट बात तस्वीर के दूसरे पक्ष की भी करते हैं जोकि आशा जगाता है। वर्ष 2014 के बाद भारत ने अपनी सांस्कृतिक विरासत की वापसी को राष्ट्रीय प्राथमिकता बनाया। पहले जहां विदेशों में पहुंच चुकी भारतीय कलाकृतियों को वापस लाने के प्रयास बिखरे हुए थे, वहीं अब यह भारत की विदेश नीति और सांस्कृतिक कूटनीति का महत्वपूर्ण हिस्सा बन चुका है। आंकड़े स्वयं इस परिवर्तन की कहानी कहते हैं। स्वतंत्रता से लेकर वर्ष 2014 तक भारत सिर्फ 13 चोरी हुई पुरावस्तुएं ही वापस ला सका था, किंतु पिछले एक दशक में यह संख्या बढ़कर 600 से अधिक और नवीनतम सरकारी आंकड़ों के अनुसार लगभग 668 तक पहुंच चुकी है। स्वभाविक है ये दृष्य भारत के सांस्कृतिक आत्मविश्वास की पुनर्स्थापना है। इस अभियान में अमेरिका सबसे बड़ा सहयोगी बनकर सामने आया। अकेले अमेरिका से 500 से अधिक भारतीय पुरावस्तुएं वापस मिली हैं। सितंबर 2024 में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अमेरिका यात्रा के दौरान 297 ऐतिहासिक कलाकृतियों की वापसी विश्व इतिहास की सबसे बड़ी सांस्कृतिक प्रत्यावर्तन घटनाओं में गिनी गई। इनमें दो हजार वर्ष ईसा पूर्व से लेकर उन्नीसवीं शताब्दी तक की दुर्लभ मूर्तियां, जैन तीर्थंकर, विष्णु, गणेश, अप्सराएं और अनेक पवित्र कलाकृतियां शामिल थीं।

ऑस्ट्रेलिया ने चोलकालीन नटराज प्रतिमा लौटाई, ब्रिटेन ने दुर्लभ मूर्तियां वापस कीं, इटली, कनाडा, जर्मनी, सिंगापुर और स्कॉटलैंड ने भी भारत की विरासत लौटाने में सहयोग दिया। हाल ही में नीदरलैंड से चोलकालीन दुर्लभ ताम्रपत्र 'सेप्पू पट्टायम' की वापसी ने इस अभियान को नई ऊंचाई दी। यह स्पष्ट संकेत है कि आज विश्व भारत की सांस्कृतिक विरासत पर उसके अधिकार को पहले की तुलना में कहीं अधिक सम्मान दे रहा है। किंतु वहीं एक असहज प्रश्न भी खड़ा हो रहा है? यदि केंद्र सरकार विदेशों से सदियों पहले चोरी हुई धरोहरों को वापस ला सकती है, तो क्या राज्य सरकारें अपने अधिकार क्षेत्र में मौजूद धरोहरों की सुरक्षा भी उसी गंभीरता से नहीं कर सकतीं? आखिर क्यों आज भी अनेक संरक्षित स्मारकों में सीसीटीवी कैमरे नहीं हैं? क्यों रात में पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था नहीं होती? क्यों प्रशिक्षित सुरक्षा बलों की जगह मात्र औपचारिक चौकीदारी से काम चलाया जा रहा है? और इससे भी महत्वपूर्ण प्रश्न? किसी चोरी के बाद प्रशासन की जवाबदेही भी कभी तय होती है क्या ?

वास्तव में यह किसी को नहीं भूलना चाहिए कि सांस्कृतिक विरासत पर्यटन का साधन होने के साथ ही किसी राष्ट्र की स्मृति, उसकी पहचान और उसके आत्मसम्मान का आधार होती है। एक मंदिर से चोरी हुई मूर्ति पत्थर या धातु का टुकड़ा होने तक सीमित नहीं है, वह तो सदियों से उस समाज की आस्था, इतिहास और सांस्कृतिक निरंतरता का केंद्र बिन्दु है, इसलिए जब कोई प्रतिमा चोरी होती है तो वह पूरे समाज की सांस्कृतिक चेतना का भी ह्रास है। यहां अब कहना यही है कि नरवर किले की चोरी को सिर्फ एक आपराधिक घटना मान लेना बड़ी भूल होगी। यह उन सभी राज्यों के लिए चेतावनी है जहां हजारों संरक्षित स्मारक आज भी न्यूनतम सुरक्षा व्यवस्था के भरोसे खड़े हैं। यदि तीन हजार किलो वजनी तोप को अपराधी योजनाबद्ध तरीके से उठा सकते हैं, तो छोटी प्रतिमाओं और दुर्लभ पुरावशेषों की सुरक्षा का अनुमान सहज लगाया जा सकता है।

किसान और गांव को आत्मनिर्भर बनाने की चुनौती

जिन सवालों पर वह आंदोलन शुरू हुआ और उसे भारी समर्थन मिला, वे सवाल आज भी वहीं खड़े हैं। केन्द्र की नरेन्द्र मोदी की अगुवाई वाली सरकार ने अपने शासन के 12 साल में समाज के हर वर्ग के साथ गांव और किसान को आत्मनिर्भर बनाने के हर प्रयास किए हैं। किसान हित में 2021 में तैयार किए तीन कानून विपक्ष के सुनियोजित विरोध के चलते भारी बहुमत होते हुए किसान हित में वापस लिया।

मनोज कुमार मिश्र

अस्सी के दशक के आखिर में पश्चिमी उत्तर प्रदेश के किसानों का कम पढ़े-लिखे और खांटी किसान चौधरी महेन्द्र सिंह टिकैत की अगुवाई में भारतीय किसान यूनियन के नाम से अराजनैतिक एक ऐसा आंदोलन खड़ा हुआ जिससे लखनऊ और दिल्ली की सरकारें हिल गई। विभिन्न कारणों से वह आंदोलन कुछ सालों में कमजोर होकर दम तोड़ दिया। जिन सवालों पर वह आंदोलन शुरू हुआ और उसे भारी समर्थन मिला, वे सवाल आज भी वहीं खड़े हैं। केन्द्र की नरेन्द्र मोदी की अगुवाई वाली सरकार ने अपने शासन के 12 साल में समाज के हर वर्ग के साथ गांव और किसान को आत्मनिर्भर बनाने के हर प्रयास किए हैं। किसान हित में 2021 में तैयार किए तीन कानून विपक्ष के सुनियोजित विरोध के चलते भारी बहुमत होते हुए किसान हित में वापस लिया। इतना ही नहीं हर साल इसमें नई योजनाओं को शामिल करके और बेहतर काम किए जा रहे हैं। चौधरी टिकैत अपने आंदोलन को अराजनैतिक मानते हुए भी पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह को अपना आदर्श मानते थे। आंदोलन के दौरान कुछ बातें दोहराते रहते थे। उसका उल्लेख जरूरी है। वे कहते थे कि किसान अकेली ऐसी कौम है जो ज्यादा उत्पादन करके भी रोती है और कम उत्पादन करके भी। कम उत्पादन में लागत नहीं निकली और ज्यादा उत्पादन में सही दाम नहीं मिलता। उसी तरह हर उत्पादन करने वाला अपने उत्पाद का दाम खुद तय करता है लेकिन किसान के दाम को वे तय करते हैं, जिन्होंने जीवन में कभी खेती की नहीं। वे चौधरी चरण सिंह के मुख्यमंत्री रहते यानी 1967 में जितने गेहूं या गन्ना में जितना सोना मिलता था, उससे थोड़ा कम दाम तय करने की मांग करते रहे। किसानों की माली हालत सुधारने का यह एक फामूर्ला तो यह हो सकता है लेकिन पूरा समाधान इससे भी नहीं हो सकता है। अब हालात बदल गए हैं। सरकार ने गांवों को समृध बनाने के लिए देश के सालाना बजट में भारी बढ़ोतरी की। 2014 में भाजपा की अगुवाई वाली सरकार केन्द्र में आने से पहले कृषि का बजट 27,663 करोड़ रुपये था, अब वह बढ़कर 1 लाख 40 हजार करोड़ हो चुका है। आज भी देश के 81 करोड़ लोगों को हर महीने फ्री अनाज दिया जा रहा है। सरकार के प्रयास से 58 करोड़ जन-धन खाता खुला है। चार करोड़ पक्के मकान बने। 12 करोड़ शौचालय बने। 16 करोड़ घरों में नल से जल दिया गया। 11 करोड़ लोगों को रसोई गैस कनेक्शन दिए गए। किसान सम्मान निधि के तहत 4.3 लाख करोड़ रुपये दिए गए। 22 फसलों के समर्थन मूल्य में 71 फीसदी की बढ़ोतरी की गई। महात्मा गांधी ग्रामीण रोजगार योजना(मनरेगा) अब वीबी जीरामजी योजना बन गई है। उस योजना में 26 करोड़ लोग पंजीकृत हैं, जिन्हें 125 दिन का रोजगार दिया जाता है। हर तरह के उत्पादन में बढ़ोतरी हुई है। यूरिया पर 90 फीसदी सब्सिडी दी गई है। फसल बीमा योजना लागू की गई है। किसानों को आसानी से कर्ज दिलवाने की व्यवस्था की गई हैं। सिंचाई के साधन बढ़े हैं। किसानों और गांवों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए सरकारी योजनाओं की लंबी सूची है। बावजूद इसके ने तो निचले स्तर पर होने वाले भ्रष्टाचार कम हुआ और न ही गांवों से पलायन रुका। सरकार ने लाभार्थियों का बैंक खाता खुलवाकर सीधे पैसा उसके खाते में भेजने का इंतजाम किया तो भ्रष्टाचार करने वाले बाहर से ही सौदेबाजी करने लगे। एक ही शौचालय के साथ अनेक फोटो खिंचवाकर कमीशन देकर भुगतान पाने लगे। इस भ्रष्टाचार के चलते बिना रिश्वत कम ही आवास बने और दूसरी सुविधाएं लोगों को दी गई। मनरेगा का भ्रष्टाचार तो पहले से ही जग जाहिर है। भाजपा की अगुवाई वाली राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन(राजग) की सरकार के प्रयास से भ्रष्टाचार खत्म नहीं हुआ है, उसमें कमी आई है। इन सभी से बड़ी समस्या बार-बार मानसून का धोखा देना और फसल की सरकार से सही मायने में खरीद की गारंटी न मिलना है। इस बार फिर बरसात दगा दे रही है। बिहार, झारखंड, छत्तीसगढ़, पूर्वी उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल आदि में कम बरसात होने से धान की रोपाई देरी से हो रही है। इतना ही नहीं वही किसान रोपाई कर पा रहे हैं, जो सक्षम हैं। यानी जिनके परिवार का कोई और व्यवसाय है या परिवार में कोई नौकरी पेशा है। कम बरसात से दलहन और कपास की खेती पर भी असर पड़ा है। यही हाल सब्जियों का है। सरकार के प्रयास और दावों के बावजूद कब तक देश भर के किसानों को बिचौलियों से मुक्ति मिलेगी और उन्हें न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) और अपनी फसल का लाभप्रद मूल्य मिलेगा। कब तक किसानी का काम लाभकारी बन जाएगा और बेकारी, भुखमरी और गरीबी के चलते गांवों से होने वाला पलायन कम होगा। मनरेगा के चलते तमाम भ्रष्टाचार होते हुए बड़ी तादाद में लोगों को रोजगार मिले और कोरोना संकट के दौरान बंटे बड़े पैमाने पर चावल-गेहूं से भुखमरी रुकी। सरकार को यह योजना ज्यादा उपयोगी लगी, इसलिए इसे अब तक जारी रखा गया है। गांव में रहने वाले खेतिहर मजदूरों की समस्या अलग तरह की है। सरकारी योजनाओं का उन्हें भले ही भ्रष्टाचार के चलते पूरा लाभ भले ही नहीं मिलता है लेकिन उससे उनके आर्थिक हालात में कुछ सुधार हुआ है। बड़ी तादाद में खेतिहर मजदूरों ने अपेक्षाकृत संपन्न राज्यों में मजदूरी करके अपनी आर्थिक हालात में सुधार किया। महात्मा गांधी ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) अब वीबी जीरामदी के बजट में हर साल बढोतरी हो रही है। इस योजना का इस साल का बजट 1.50 लाख करोड़ सालाना तय किया गया है। बड़ा संकट छोटे किसानों के लिए है, जिनके लिए खेती जानलेवा बनती जा रही है। एक अनुमान के अनुसार देश के 85 फीसद से ज्यादा किसानों के पास ढ़ाई एकड़ से कम जमीन है। इन किसानों पर सरकारी योजनाओं का ज्यादा फोकस होना चाहिए। देश के सात लाख से ज्यादा गांवों को यही किसान आबाद किए हुए हैं। इन्हीं के बूते कोरोना संकट के दौरान भी देश में अन्न की कमी नहीं हो पाई।

विपक्ष के सुनियोजित किसान आंदोलन जिन तीन कृषि कानूनों को खत्म करवाने के लिए शुरू किया गया था उनमें एक कानून मंडियों के बाहर भी उपज बेचने की इजाजत देने से था। दूसरा कानून किसानों को सहकारी खेती की अनुमति देने वाला और तीसरे में अनिवार्य फसलों पर से रोक हटाने का था (1.कृषक उपज व्यापार और वाणिज्य(संवर्धन व सरलीकरण) कानून-2020,2. कृषक(सशक्तीकरण व संरक्षण) कीमत आश्वासन और कृषि सेवा पर कानून-2020 और 3. आवश्यक वस्तु(संशोधन) कानून-2020)। सरकार यह समझाती रही कि इन बिलों से किसानों को

पूरी में जगरन्नाथ रथ यात्रा का दिव्य आगाज, 100 यज्ञों के पुण्य फल और मोक्ष की अद्भुत परंपरा

आषाढ़ माह के शुक्ल पक्ष की द्वितीया को ओडिशा के पुरी नामक स्थान और गुजरात के द्वारका पुरी में भगवान जगन्नाथ की रथयात्रा बड़ी धूमधाम से निकाली जाती है। इस उत्सव के दौरान श्रद्धालुओं का भक्ति भाव देखते ही बनता है क्योंकि जिस रथ पर भगवान सवारी करते हैं उसे घोड़े या अन्य जानवर नहीं बल्कि श्रद्धालुगण ही खींच रहे होते हैं। पुरी में श्री जगदीश भगवान को सपरिवार विशाल रथ पर आरुढ़ कराकर भ्रमण करवाया जाता है फिर वापस लौटने पर यथास्थान स्थापित किया जाता है। यह उत्सव अद्वितीय होता है। इस अवसर पर देश विदेश से लाखों श्रद्धालु यहां एकत्र होते हैं। भगवद भक्त इस दिन व्रत रखते हैं और उत्सव मनाते हैं। पुरी में जिस रथ पर भगवान

की सवारी चलती है वह विशाल एवं अद्वितीय है। वह 45 फुट ऊंचा, 35 फुट लंबा तथा इतना ही चौड़ाई वाला होता है। इसमें सात फुट व्यास के 16 पहिये होते हैं। इसी तरह बालभद्र जी का रथ 44 फुट ऊंचा, 12 पहियों वाला तथा सुभद्रा जी का रथ 43 फुट ऊंचा होता है। इनके रथ में भी 12 पहिये होते हैं। प्रतिवर्ष नए रथों का निर्माण किया जाता है। भगवान मंदिर के सिंहद्वार पर बैठकर जनकपुरी की ओर रथयात्रा करते हैं। जनकपुरी में तीन दिन का विश्राम होता है जहां उनकी भेंट श्री लक्ष्मीजी से होती है। इसके बाद भगवान पुनः श्री जगन्नाथ पुरी लौटकर आसनरुढ़ हो जाते हैं।

दस दिवसीय यह रथयात्रा भारत में मनाए जाने वाले धार्मिक उत्सवों में महत्वपूर्ण स्थान रखती है। भगवान श्रीकृष्ण के अवतार 'जगन्नाथ' की रथयात्रा का पुण्य सौ यज्ञों के बराबर माना जाता है। यात्रा की तैयारी अक्षय तृतीया के दिन श्रीकृष्ण, बलराम और सुभद्रा के रथों के निर्माण के साथ ही शुरू हो जाती है। जगन्नाथ जी का रथ 'गरुड़ध्वज' या 'कपिलध्वज' कहलाता है। रथ पर जो ध्वज है, उसे 'त्रैलोक्यमोहिनी' या ह्यनंदीघोषह्व रथ कहते हैं। बलराम जी का रथ 'तलध्वज' के नाम से पहचाना जाता है। रथ के ध्वज को 'उनानी' कहते हैं। जिस रस्सी से रथ खींचा जाता है वह 'वासुकी' कहलाता है। सुभद्रा का रथ 'पद्मध्वज' कहलाता है। रथ ध्वज 'नदंबिक' कहलाता है। इसे खींचने वाली रस्सी को 'स्वर्णचूडा' कहते हैं।

घटनाएंऔर सूचियां

रथयात्रा आरंभ होने से पहले पुराने राजाओं के वंशज पारंपरिक ढंग से सोने के हत्थे वाली झाड़ू से ठाकुर जी के प्रस्थान मार्ग को साफ करते हैं। इसके बाद मंत्रोच्चार एवं जयघोष के साथ रथयात्रा शुरू होती है। सर्वप्रथम बलभद्र का रथ तालध्वज प्रस्थान करता है। थोड़ी देर बाद सुभद्रा की यात्रा शुरू होती है। अंत में लोग जगन्नाथ जी के रथ को बड़े ही श्रद्धापूर्वक खींचते हैं। लोग मानते हैं कि रथयात्रा में सहयोग से मोक्ष मिलता है, अतः सभी श्रद्धालु कुछ पल के लिए रथ खींचने को आतुर रहते हैं। जगन्नाथ जी की यह रथयात्रा गुंडीचा मंदिर पहुंचकर संपन्न होती है। 'गुंडीचा मंदिर' वहीं पर स्थित है जहां विश्वकर्मा जी ने तीनों देव प्रतिमाओं का निर्माण किया था। यह भगवान की मौसी का घर भी माना जाता है। यहां भगवान एक सप्ताह प्रवास करते हैं और इस दौरान यहीं पर उनकी पूजा की जाती है। आषाढ़ शुक्ल दशमी को जगन्नाथ जी की वापसी यात्रा शुरू होती है। शाम तक रथ जगन्नाथ मंदिर पहुंच जाते हैं लेकिन प्रतिमाओं को अगले दिन ही मंत्रोच्चार के साथ मंदिर के गर्भगृह में फिर से स्थापित किया जाता है।

मेट्रो रेज की ओर से स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक जीतेन्द्र कुमार सिंह के लिए जेके न्यूज नेटवर्क, पिपरटोली, अरगोड़ा, रांची 834002 (झारखंड) से प्रकाशित तथा शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा, पेट्रोल पंप रातू रोड, रांची , (झारखंड) से मुद्रित।

प्रधान संपादक : जीतेन्द्र कुमार सिंह, **संपादक** : लाल दिवाकर नाथ शाहदेव*, *पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार। समस्त दिवानी विवादों, न्यायोचित कार्रवाइयों एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। फोन : 7369017908, R.N.I. No.-JHAHIN/2017/75028 **website :** www.metrorays.in

email : metrorays.ranchi@gmail.com

न्यूज IN ब्रीफ

महिला महाविद्यालय साहिबगंज में वाणिज्य एवं कला संकाय में नामांकन की तिथि 28 जुलाई तक बढ़ी

साहिबगंज : महिला महाविद्यालय साहिबगंज में शैक्षणिक सत्र 202630 के लिए वाणिज्य एवं कला संकाय में नामांकन की प्रक्रिया प्रारम्भ हो गई है।इच्छुक छात्राएँ चांसलर पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन कर सकती हैं।जिसकी जानकारी महिला महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ.ध्रुव ज्योति सिंह ने दिया।उन्होंने बताया कि नामांकन के लिए छात्राएँ सिदो कान्हू मुर्मू विश्वविद्यालय,दुमका के आधिकारिक पोर्टल पर जाकर आवेदन कर सकती हैं।नामांकन हेतु ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि,जो पूर्व में 08 जुलाई 2026 निर्धारित थी।अब उसे बढ़ाकर 28 जुलाई 2026 कर दी गई है।महाविद्यालय प्रशासन ने बताया कि आवेदन से संबंधित किसी भी प्रकार की जानकारी या सहायता के लिए छात्राएँ कार्य दिवसों में महाविद्यालय कार्यालय से संपर्क कर सकती हैं।महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ.ध्रुव ज्योति सिंह ने बताया कि महाविद्यालय में अनुभवी एवं योग्य शिक्षिकाओं द्वारा गुणवत्तापूर्ण शिक्षण के साथ-साथ छात्राओं के सर्वांगीण विकास पर विशेष ध्यान दिया जाता है।उन्होंने कहा कि छात्राओं की शैक्षणिक एवं अन्य समस्याओं के समाधान के लिए महाविद्यालय प्रशासन सदैव तत्पर रहता है।उन्होंने छात्राओं एवं अभिभावकों से अपील की कि वे नामांकन की बढ़ी हुई अंतिम तिथि 28 जुलाई 2026 से पहले ऑनलाइन आवेदन कर नामांकन सुनिश्चित करें।

जमीनी विवाद को लेकर तीन महिलाओं पर प्राथमिकी दर्ज

साहिबगंज : नगर थाना क्षेत्र के सकरोगढ़ निवासी पूनम सिन्हा पतिक्षकिरण सिन्हा, पिता अखिलेश्वर प्रसाद के आवेदन पर जमीनी विवाद को लेकर नगर थाना में प्राथमिकी दर्ज की गई है। दर्ज प्राथमिकी में पिंकी देवी आशा देवी एवं रेणु देवी को नामजद अभियुक्त बनाया गया है।इस संबंध में नगर थाना प्रभारी अमित गुप्ता ने बताया कि पूनम सिन्हा के बयान के आधार पर कांड संख्या 127/26 दर्ज कर लिया गया है। मामले की जांच शुरू कर दी गई है और अनुसंधान के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

रेलवे स्टेशन परिसर में अनावश्यक लोगों की पहचान करते हुए उनसे पूछताछ की जा रही है : गुलाम सरवर

साहिबगंज : पूर्व रेलवे के मालदा रेलमंडल अंतर्गत साहिबगंज रेलवे स्टेशन पर तैनात आरपीएफ जवानों ने मंगलवार की देर रात को प्लेटफॉर्म पर बिना टिकट व बेवजह रात गुजारने वाले लोगों को चिन्हित करते हुए कड़ाई से पूछताछ करते हुए नजर आईं।जहां इस दौरान आरपीएफ जवानों ने प्लेटफार्म नंबर 1 व 2 एवं प्रतीक्षालय में बिना कारण से बैठे हुए लोगों को चिन्हित करते हुए बिना वजह के उनसे रेलवे स्टेशन परिसर में रहने व बैठने का वास्तविक कारण पूछते हुए कड़ी फटकार लगाई।वही मामले को लेकर आरपीएफ इंस्पेक्टर गुलाम सरवर ने कहा कि रेलवे स्टेशन परिसर में अनावश्यक लोगों की पहचान करते हुए उनसे पूछताछ की जा रही है ताकि किसी भी तरह का कोई अप्रिय घटना घटित न हो।

एसआईआर की जेडएएसएसडी की सूची तैयार करने में अहम भूमिका निभाई

साहिबगंज : विशेष गहण पुनरीक्षण के तहत के 22 जुलाई को बीएलओ बीएलए 2 व चुनाव पाठशाला के सदस्य,वार्ड पार्षद सुनीता सिहां,मतदाता गन की द्वितीया11:00 बजे पूर्वाह्न मतदान केंद्र संख्या 73 जिला परिषद डाक बंगला में आहुत की गई।जिसमें बीएलए 2 भाजपा की ओर से जयप्रकाश सिहां उपस्थित हुए।जिन्होंने एसआईआर की जेब एएस एसडी की सूची तैयार करने में अहम भूमिका निभाई गई !मौके पर वार्ड पार्षद सुनीता सिंह बीएलओ गुड़िया देवी,रेनू शाह अध्यापक,राजस्थान इंटर विद्यालय भारी संख्या में मतदाता गण उपस्थित हुए।

बारिश से र्जजर मकान का गिरा रसोई घर का छत टला बड़ा हादसा

हजारीबाग : मुफस्सिल थाना क्षेत्र के लाखे मस्जिद के समीप में बुधवार को बारिश के एक जर्जर मकान का बड़ा हिस्सा का प्लास्टर अचानक ढह गया। अब्दुल करीम के घर के किचन (रसोईघर) की छत का भितरी हिस्सा अचानक भरभरा कर नीचे आ गिरा, जिससे एक बड़ा हादसा होते-होते टल गया। घटना के बाद पूरे घर और आसपास के इलाके में अफरा-तफरी मच गई। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय लोग तुरंत मौके पर पहुंचे। गनीमत यह रही कि हादसे के वक्त रसोईघर के पास परिवार का कोई सदस्य मौजूद नहीं था, जिससे किसी को भी गंभीर चोटें नहीं आईं। हालांकि, अचानक हुए इस हादसे से घर के लोग सहम गए हैं।

स्थानीय लोगों ने बताया कि यह मकान काफी पुराना और जर्जर हो चुका है। समय पर मरम्मत न कराए जाने के कारण यह लगातार खतरनाक बनता जा रहा है। बताते चलें कि इससे पहले दिसंबर 2025 में भी इसी मकान के एक अन्य कमरे की छत गिर गई थी। उस हादसे में एक छोटी बच्ची गंभीर रूप से घायल हो गई थी और उसका पैर टूट गया था, जबकि अन्य बच्चे मामूली रूप से चोटिल हुए थे। बार-बार एक ही मकान के हिस्से गिरने से परिवार लगातार दहशत के साये में जी रहा है।

लगातार हो रही दुर्घटनाओं के बाद स्थानीय लोगों और पीड़ितों ने जिला प्रशासन से जोरदार मांग की है कि इलाके के ऐसे सभी जर्जर और खतरनाक मकानों की तत्काल जांच कराई जाए। लोगों का कहना है कि समय रहते यदि सख्त कदम नहीं उठाए गए, तो भविष्य में किसी बड़े हादसे में मासूम जानें जा सकती हैं।

साहिबगंज पहुंचे एडीआरएम विकास कार्यों व तैयारियों का किया निरीक्षण

संवाददाता

साहिबगंज : हावड़ा जोन के महाप्रबंधक जीएम मिलिंद देवसकर के 27 जुलाई को प्रस्तावित साहिबगंज दौरे को लेकर रेलवे प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। इसी क्रम में मालदा रेल मंडल के अपर मंडल रेल प्रबंधक एडीआरएम अमरेंद्र कुमार मौर्य ने अधिकारियों की टीम के साथ साहिबगंज पहुंचे और प्रस्तावित कार्यक्रम स्थलों का निरीक्षण कर तैयारियों का जायजा लिया।एडीआरएम ने रेलवे हाई स्कूल परिसर पहुंचकर वहां चल रहे विकास कार्यों की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने संबंधित अधिकारियों से कार्यों की प्रगति की जानकारी ली तथा निर्धारित समय सीमा के भीतर सभी कार्य गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूरा करने का निर्देश दिया। निरीक्षण के दौरान साफ-सफाई, सौंदर्यीकरण एवं अन्य व्यवस्थाओं की भी समीक्षा की गई।जानकारी के अनुसार जीएम मिलिंद देवसकर के प्रस्तावित दौरे के दौरान रेलवे हाई स्कूल का निरीक्षण तथा गंगा तट पर अंग्रेजों के समय के ऐतिहासिक हेरिटेज भवन से जुड़े कार्यों का उद्घाटन प्रस्तावित है। इसे लेकर मालदा रेल मंडल के वरिष्ठ अधिकारियों का लगातार साहिबगंज दौरा हो रहा है और विभिन्न विभागों द्वारा तैयारियों को अंतिम रूप दिया जा रहा है।रेलवे अधिकारियों ने बताया कि जीएम के प्रस्तावित निरीक्षण कार्यक्रम को देखते हुए सभी विभागों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए हैं। सुरक्षा यात्री सुविधाओं विकास कार्यों तथा कार्यक्रम स्थलों की व्यवस्थाओं की लगातार निगरानी की जा रही है ताकि निरीक्षण के दौरान सभी व्यवस्थाएं सुचारु रहें।निरीक्षण के दौरान आरपीएफ कमांडेंट वरुण कुमार बेहेरा साहिबगंज स्टेशन प्रबंधक गुड्डू शाह, सहायक अभियंता वेदव्यास सरण सहित रेलवे के कई अधिकारी मौजूद थे ।

लाभुकों के बैंक खातों में 7.96 लाख रुपये मात्र क्रेडिट की जा रही है

मंईयां सम्मान योजना में किसी प्रकार की समस्या आती है तो संबंधित प्रखंड कार्यालय से संपर्क कर आवश्यक सहायता प्राप्त करें

संवाददाता

साहिबगंज : झारखंड सरकार के महिला, बाल विकास एवं सामाजिक सुरक्षा विभाग द्वारा संचालित मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2026-27 के माह जुलाई 2026 के साहिबगंज जिले के पात्र लाभुकों को सम्मान राशि भेजी गई।जिले के लगभग 1,71,156 पात्र लाभुकों के बैंक खातों में जुलाई 2026 की सम्मान राशि सीधे डीबीटी के माध्यम से भेजी जा रही है। योजना अंतर्गत प्रत्येक लाभुको को एक माह की कुल 2,500 की सम्मान राशि प्रदान की जा रही है। इस क्रम में जिले के लाभुकों के बैंक खातों में बयालीस करोड़ अठहत्तर लाख सत्तानबे हजार पाँच सौ रुपये मात्र हस्तांतरित की जा रही है। मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना का उद्देश्य राज्य की पात्र महिलाओं को आर्थिक संबल प्रदान कर उन्हें आत्मनिर्भर और सशक्त बनाना है। जिला प्रशासन योजना के प्रभावीक्षपारदर्शी व समयबद्ध क्रियान्वयन के लिए निरंतर प्रतिबद्ध है।

सर्वजन पेंशन योजना अंतर्गत मुख्यमंत्री राज्य एचआईवी,एड्स पीड़ित व्यक्ति सहायतार्थ पेंशन योजना के तहत जिले के 191 पात्र लाभुकों के बैंक खातों में माह अप्रैल से जुलाई 2026 की सहायता राशि सीधे डीबीटी के माध्यम से भेजी जा रही है। योजना अंतर्गत प्रत्येक लाभुको को ₹1000 प्रति माह के दर से चार माह की कुल ₹4000 की सहायता राशि प्रदान की जा रही है। इस क्रम में जिले के लाभुकों के बैंक खातों में सात लाख छियानबे हजार रुपये मात्र क्रेडिट की जा रही है। जिला प्रशासन ने सभी लाभुकों से अनुरोध किया है कि वे अपने बैंक खाते की नियमित रूप से जांच करें। यदि राशि प्राप्त होने में किसी प्रकार की समस्या आती है तो संबंधित प्रखंड कार्यालय से संपर्क कर आवश्यक सहायता प्राप्त करें।

लंबित मामलों के शीघ्र निष्पादन व अनुसंधान की गति तेज करें : रविकांत

संवाददाता

साहिबगंज : जिरवाबाड़ी थाना परिसर में कानून-व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ करने के उद्देश्य से पुलिस उपाधीक्षक रविकांत साव की अध्यक्षता में थाना के सभी अनुसंधान पदाधिकारियों के साथ मासिक अपराध समीक्षा बैठक आयोजित की गई।बैठक के दौरान थाना क्षेत्र में दर्ज विभिन्न कांडों की बारीकी से समीक्षा की गई।पुलिस उपाधीक्षक रविकांत साव ने लंबित मामलों के शीघ्र निष्पादन पर विशेष जोर देते हुए अनुसंधान की गति तेज करने का निर्देश दिया।उन्होंने स्पष्ट कहा कि गंभीर मामलों में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और प्रत्येक केस में गुणवत्तापूर्ण अनुसंधान सुनिश्चित किया जाए।इस दौरान उन्होंने अनुसंधान पदाधिकारियों से केस डायरी की प्रगति,साक्ष्य संकलन,आरोपियों की गिरफ्तारी एवं चार्जशीट दाखिल करने की स्थिति की विस्तृत जानकारी ली।साथ ही फरार अभियुक्तों की गिरफ्तारी के लिए विशेष अभियान चलाने का निर्देश दिया गया।पुलिस उपाधीक्षक ने कहा कि जनता का विश्वास बनाए रखने के लिए पारदर्शी और निष्पक्ष जांच बेहद जरूरी है।उन्होंने सभी अधिकारियों को निर्देशित किया कि पीड़ितों के साथ संवेदनशील व्यवहार करें और हर मामले में समयबद्ध कार्रवाई सुनिश्चित करें।बैठक में थाना प्रभारी शशि कुमार सिंह सहित सभी पुलिस पदाधिकारी उपस्थित थे।

धरना के बाद महामहिम राष्ट्रपति के नाम उपायुक्त को ज्ञापन सौंपेगा

साहिबगंज : जिला कांग्रेस कमिटी के अध्यक्ष बरकतुल्लाह खान ने बयान जारी कर कहा कि छात्रों के अधिकार और न्याय की लड़ाई को मजबूत करने को लेकर झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमिटी के निदेर्शा नुसार केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे परीक्षा में हुई अनियमितताओं के विरोध तथा छात्रों पर हुए दमन के खिलाफ साहिबगंज स्टेशन चौक पर धरना-प्रदर्शन किया जायेगा,व धरना के बाद महामहिम राष्ट्रपति के नाम उपायुक्त को ज्ञापन सौंपेगा।उन्होंने कार्यक्रम मे जिला कांग्रेस कमिटी के सभी पदाधिकारीगण,प्रदेश प्रतिनिधिगण,प्रखंड अध्यक्ष,मंडल अध्यक्षगण,अग्रणी संगठन विभाग प्रकोष्ठ,युवा कांग्रेस,महिला कांग्रेस,एनएसयूआई एवं आईएनटूयूसी तथा कांग्रेस कार्यकताओं से अधिक से अधिक संख्या में शामिल होने का आग्रह किया है।

स्वास्थ्य के साथ किसी भी प्रकार का समझौता बर्दाश्त नहीं किया जाएगा : आशीष

संवाददाता

साहिबगंज : खाद्य सुरक्षा विभाग द्वारा राजमहल प्रखंड क्षेत्र में खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता और उपभोक्ताओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से एक्सपायरी डेट में टेंपरिंग व री-लेबलिंग के विरुद्ध एक सघन जांच अभियान चलाया गया।यह अभियान खाद्य सुरक्षा अधिकारी नौरंग देव कुमार और आशीष कुमार वर्मा के नेतृत्व में संचालित किया गया। अभियान के दौरान राजमहल क्षेत्र की लगभग 20 दुकानों का निरीक्षण किया गया।निरीक्षण के क्रम में फैंटा थम्स अप शीतल पेय की बोतल एक्सपायरी अवस्था में पाई गई। इसके अतिरिक्त, बड़ी संख्या में एक्सपायरी सोडा की बोतलें भी बरामद की गईं। विभागीय अधिकारियों ने संबंधित दुकानदारों को खाद्य सुरक्षा व मानक अधिनियम के प्रावधानों का पालन करने एक्सपायरी अथवा री-लेबल किए गए उत्पादों की बिक्री न करने की सख्त चेतावनी दी गई है। जिसमें खाद्य सुरक्षा अधिकारियों ने कहा कि उपभोक्ताओं के स्वास्थ्य के साथ किसी भी प्रकार का समझौता बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।जो भविष्य में भी इस प्रकार के निरीक्षण अभियान लगातार जारी रहेंगे। विभाग ने आम नागरिकों से भी अपील की है कि वे खाद्य पदार्थ खरीदते समय उनकी निर्माण तिथि, समाप्ति तिथि व पैकेजिंग की अच्छी तरह जांच करें और किसी भी अनियमितता की सूचना विभाग को दें।

गुणवत्ता पूर्ण ओर प्राक्कलन के अनुसार कार्य कराना है : मुकेश

संवाददाता

साहिबगंज : जिला के सातवें ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल कार्यपालक अभियंता के रूप में मुकेश कुमार बमबम ने बुधवार को पदभार लिया।उन्हें सातवे ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल कार्यपालक अभियंता रामा कान्त ने पदभार सौंपा।पदभार लेने के बाद मुकेश कुमार बमबम ने कहा कि गुणवत्ता पूर्ण ओर प्राक्कलन के अनुसार कार्य कराना है।वें सहायक अभियंता के रूप में साहिबगंज जिला में अपनी सेवा पूर्व में दे चुके है।उन्होंने कहा कि समय पर कार्य पूर्ण कराना उनकी प्राथमिकता होंगी।सहायक अभियंता से प्रमोशन होने के बाद दूसरा पोस्टिंग साहिबगंज में हुआ है।वही रामाकांत 16 मार्च 2023 से जिला में पदस्थापित थे।मौके पर कनीय अभियंता रामाशंकर सहायक अभियंता प्रेम कुमार,बैजनाथ कुमार महतो एजाज अहमद,जई पंचक कुमार रविदास,एई सुभाषचंद्र टुडु,जेई चंद्रप्रकाश व शैलेन्द्र कुमार,बड़ा बाबू प्रणव कुमार,एनआरईपी के एई देवीलाल हांसदा व जेई दिवाकर कुमार सहित अन्य थे।

अज्ञात चोरों ने छत तोड़कर सीएसपी से उड़ाए 1,70000 रुपये जांच में जुटी पुलिस

संवाददाता

साहिबगंज/पतना : रांगा थाना क्षेत्र के तलबड़िया चौक पर स्थित इणिडयन बैंक द्वारा अधिकृत सीएसपी से अज्ञात चोरों ने लगभग एक लाख सत्तर हजार रुपये उड़ा लिया,घटना की जानकारी देते हुए सीएसपी संचालक सैफुल इस्लाम पिता-नजरुल मोमिन ने बताया कि गुरुवार की सुबह लगभग 8:50एएम बजे सीएसपी पहुँचे शटर खोलकर बगल के ट्रेलर की दुकान में जाकर बैठा बातचीत करने लगे लगभग दो तीन मिनट बाद मोबाइल पर ऑनलाइन क्लास के लिए नोटिफिकेशन आया 9:00 एएम बजे क्लास था तो बातचीत करने के बाद मैं अपने सीएसपी पहुँचा ,जैसे ही अंदर गया तो देखा कि सारा सामान ,कागजात,फाइल इधर उधर बिखरा पड़ा है ।फिर नगद काउंटर पर पर नजर पड़ी तो देखा की काउंटर का लॉक टूटा हुआ है और उसमें रखा 1,70000 एक लाख सत्तर हजार रुपये नगद गायब है।संचालक ने बताया कि रोज पैसे सीएसपी से घर लेकर चले जाते है लेकिन बुधवार की शाम को अचानक तबियत खराब होने की वजह से बाजार जाने के लिए निकला ये सोचकर की वापस आते समय पैसे साथ लेकर चला जाऊँगा जैसे ही निकला था तो मौसम खराब हो गई थी।वापस घर चला गया और पैसे काउंटर पर ही भूल गया। गुरुवार की सुबह आया तो देखा चोरो ने हाथ साफ कर दिए है। कैमरे के चार्जर भी खुले हुए थे।घटना की जानकारी मिलते ही रांगा थाना प्रभारी अखिलेश कुमार दल बल के साथ घटनास्थल पर पहुँचे और मामले की छानबीन में जुट गए है ,प्रथम दृश्या ऐसा प्रतीत हो रही है। कि अज्ञात चोर सीएसपी के एलबेस्टर वाले छत को तोड़कर अंदर घुसे दरवाजे की छिटकीनी को औजारनुमा हथियार के मदद से तोड़े और सीएसपी के अंदर रखे केवल नगद राशि लेकर फरार हो गए है,जाँच के दौरान सीएसपी की छत टूटी हुई पाई गई है ।

चोरों ने केलव नगदी पर किया हाथ साफ

सीएसपी संचालक सैफुल इस्लाम ने बताया कि अज्ञात चोरों ने सीएसपी के अंदर रखे लैपटॉप कम्प्यूटर ,एवं फोन इत्यादि को ज्यों की त्यों छोड़ दी है केवल पैसे लेकर फरार हो गए है।

घटनस्थल पर चोरो ने छोड़े हथियार घटना को अंजाम देने के बाद चोरों ने घटनस्थल सीएसपी के अंदर कुल्हाड़ी नुमा हथियार एवं सीएसपी के पीछे झाड़ी में एक हथौड़ी,पेचकस और झोला छोड़कर फरार हो गए है।

ऑस्ट्रेलिया दौरे से पहले बांग्लादेश को झटका, तेज गेंदबाज इबादत हुसैन बाहर

एजेंसी

नई दिल्ली : बांग्लादेश के तेज गेंदबाज इबादत हुसैन ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ आगामी दो मैचों की टेस्ट सीरीज में नहीं खेल पाएंगे। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की आधिकारिक वेबसाइट के अनुसार, इबादत अपने पहले बच्चे के जन्म के कारण बांग्लादेश में ही रहेंगे और टीम के साथ ऑस्ट्रेलिया का दौरा नहीं करेंगे। बांग्लादेश की टीम 13 अगस्त से डार्विन में शुरू होने वाली दो मैचों की टेस्ट सीरीज में ऑस्ट्रेलिया का सामना करेगी। यह सीरीज विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) 2025-27 चक्र का हिस्सा है। फिलहाल बांग्लादेश डब्ल्यूटीसी अंकतालिका में चौथे स्थान पर है और इस सीरीज में बेहतर प्रदर्शन कर अपनी स्थिति मजबूत करना चाहेगा।

हालांकि इबादत की गैरमौजूदगी के बीच टीम को एक राहत भी मिली है।

तेज गेंदबाज तस्कीन अहमद ने ऑस्ट्रेलिया दौरे की बेहतर तैयारी के लिए श्रीलंका प्रीमियर लीग (एलपीएल) से अपना नाम वापस ले लिया है। तस्कीन ने कहा, ₹मेरा मुख्य लक्ष्य ऑस्ट्रेलिया दौरे की तैयारी करना है। हमने जिम्बाब्वे में लगातार छह मैच खेले हैं। अगर मैं एलपीएल भी खेलता और फिर सीधे ऑस्ट्रेलिया जाता तो टेस्ट मैच की तैयारी प्रभावित होती। इसलिए थोड़ा नुकसान उठाकर भी मैंने एलपीएल से हटने का फैसला किया। ऑस्ट्रेलिया जैसी टेस्ट सीरीज बार-बार नहीं आती।₹

नाहिद राणा और लिटन दास की फिटनेस पर नजर

बांग्लादेश के लिए एक और चिंता तेज गेंदबाज नाहिद राणा की फिटनेस है। उनके शरीर के साइड हिस्से में लगी चोट की स्कैन रिपोर्ट का टीम प्रबंधन को इंतजार है। वहीं अनुभवी बल्लेबाज लिटन दास भी पिंडली (काफ) की चोट से उबर रहे हैं और टीम को उम्मीद है कि वह ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ उपलब्ध रहेंगे। बांग्लादेश की टीम अगले महीने की शुरूआत में ऑस्ट्रेलिया पहुंचेगी, जहां 3 अगस्त से डार्विन में क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया एकादश के खिलाफ तीन दिवसीय अभ्यास मैच खेलेगी।

बल्लेबाजों पर जताया भरोसा

बांग्लादेश के बल्लेबाजी कोच मोहम्मद अशरफुल ने हाल ही में जिम्बाब्वे के खिलाफ टेस्ट में मिली बड़ी हार के बावजूद अपने बल्लेबाजों पर भरोसा जताया है। अशरफुल ने कहा, ऑस्ट्रेलिया में चुनौती कठिन होगी, लेकिन सकारात्मक बात यह है कि हम 10-12 दिन पहले वहां पहुंचेंगे और अभ्यास मैच खेलने का मौका मिलेगा। यदि सभी खिलाड़ी फिट रहे तो हम अच्छा प्रदर्शन कर सकते हैं। उन्होंने कहा, ₹पिछले सात महीनों में हमारे बल्लेबाजों ने शानदार प्रदर्शन किया है। एक सीरीज या एक टेस्ट खराब होने का मतलब यह नहीं कि हम निराश हो जाएं। अलग-अलग परिस्थितियों में खेलने से खिलाड़ियों को अनुभव मिला है और हमें विश्वास है कि वे ऑस्ट्रेलिया में बेहतर प्रदर्शन करेंगे।₹

सीरीज का कार्यक्रम

पहला टेस्टः 13-17 अगस्त, डार्विन

दूसरा टेस्टः 22-26 अगस्त, मैके

चाइना ओपन 2026: सिंधु और आयुष शेट्टी प्री-क्वार्टर फाइनल में

एजेंसी

चांगझोउ : भारत की स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधु ने चाइना ओपन 2026 में विजयी शुरूआत करते हुए बुधवार को हमवतन उन्नति हुड्डा को तीन गेम तक चले मुकाबले में हराकर प्री-क्वार्टर फाइनल (अंतिम-16) में जगह बना ली। वहीं पुरुष एकल में युवा खिलाड़ी आयुष शेट्टी ने इंडोनेशिया के विश्व नंबर-11 अल्वी फरहान को हराकर बड़ा उलटफेर किया। विश्व रैंकिंग में 15वें स्थान पर काबिज सिंधु, जो हाल ही में जापान ओपन का खिताब जीतकर आई हैं, ने उन्नति हुड्डा को 21-14, 9-21, 21-10 से हराया। लगभग एक घंटे तक चले मुकाबले में दूसरे गेम में पिछड़ने के बाद सिंधु ने शानदार वापसी करते हुए निर्णायक गेम आसानी से अपने नाम किया। अब अंतिम-16 में सिंधु का सामना मेजबान चीन की चौथी वरीयता प्राप्त चेन यू फेई से होगा, जिन्होंने पहले दौर में जापान की नात्सुकी निदाइरा को हराया था।

पुरुष एकल में भारत के आयुष शेट्टी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए इंडोनेशिया के विश्व नंबर-11 अल्वी फरहान को 21-17, 5-21, 21-17 से मात देकर अंतिम-16 में प्रवेश किया। यह जीत शेट्टी के लिए खास रही क्योंकि 2023 विश्व जूनियर चैंपियनशिप के सेमीफाइनल में उन्हें इसी खिलाड़ी के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा था। हालांकि युगल स्पधाओं में भारतीय खिलाड़ियों का प्रदर्शन निराशाजनक रहा। मिश्रित युगल में रोहन कपूर और ऋत्विका शिवानी गड्डे की जोड़ी को शीर्ष वरीय चीन के यान झे फेंग और डोंग पिंग हुआंग ने 21-9, 21-16 से हराया। एक अन्य मिश्रित युगल मुकाबले में ध्रुव कपिला और तनिषा क्रास्टो को चीन के शिन वा गुओ और फांग हुई चेन ने 21-18, 21-18 से सीधे गेमों में पराजित किया।

'सफर' ही सबसे बड़ा शिक्षक रहा : यामी गौतम

अभिनेत्री यामी गौतम इन दिनों 'आर्टिकल 370' से मिले राष्ट्रीय पुरस्कार को लेकर सुर्खियां बटोर रही हैं। अभिनेत्री ने मंगलवार को सोशल मीडिया के जरिए मनोरंजन जगत में बिताए लंबे सफर को सबसे बड़ा शिक्षक बताया। दरअसल, यामी की इस जीत पर निर्देशक राम गोपाल वर्मा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर पोस्ट करते हुए बधाई दी थी, जिस पर यामी ने खुशी जाहिर करते हुए उनका धन्यवाद किया। अभिनेत्री ने अपने सफर को याद करते हुए टेलीविजन की दुनिया को 'सबसे बड़ा टीचर' बताया। अभिनेत्री ने लिखा, 'बहुत-बहुत धन्यवाद, सर। आपके शब्द मेरे लिए बहुत मायने रखते हैं। यह सफर सच में मेरे लिए सबसे बड़ा शिक्षक रहा है और आपके प्रोत्साहन व सहयोग के लिए मैं दिल से आभारी हूं। आगे भी सीखते, आगे बढ़ते और अपने काम के प्रति ईमानदार बने रहने की कोशिश जारी रहेगी। अभिनेत्री यामी गौतम ने टेलीविजन इंडस्ट्री से अपने करियर की शुरुआत कर खुद को हिंदी सिनेमा की सफल अभिनेत्री के रूप में स्थापित किया। बता दें कि 'आर्टिकल 370' 2024 में रिलीज हुई एक राजनीतिक एक्शन-थ्रिलर फिल्म थी।

यह फिल्म जम्मू-कश्मीर को संविधान के अनुच्छेद 370 के तहत प्राप्त विशेष दर्जे को निरस्त करने और राज्य से आतंकवाद के खात्मे की ऐतिहासिक और राजनीतिक पृष्ठभूमि पर आधारित है। फिल्म में अभिनेत्री यामी गौतम ने 'जूनी हक्सर' नामक एक खुफिया (इंटेलिजेंस) अधिकारी की भूमिका अदा की थी और प्रियमणि ने पीएमओ सचिव 'राजेश्वरी स्वामीनाथन' की मुख्य भूमिका निभाई थी। इनके अलावा अरुण गोविल (प्रधानमंत्री) और किरण करमाकर (गृह मंत्री) के किरदार में नजर आए थे। इसका निर्देशन आदित्य सुहास जाम्भले ने किया था। इसकी पटकथा 2016 की कश्मीर अशांति और अनुच्छेद 370 को हटाने के गुप्त मिशन के इर्द-गिर्द घूमती है। सिनेमाघरों में शानदार प्रदर्शन के बाद, यह फिल्म जी5 और नेटफ्लिक्स पर भी उपलब्ध है।

अमिताभ ने अस्पताल के अनुभव के जरिए बयां किया जिंदगी का कड़वा सच

अभिनेता अमिताभ बच्चन अपने ब्लॉग के जरिए दर्शकों के बीच खास मौजूदगी रखते हैं। मेगास्टार ने मंगलवार को हॉस्पिटल में भर्ती होने, सर्जरी और आईसीयू के बारे में बात की। उन्होंने यह भी बताया कि ऐसी स्थिति में इंसान पर शारीरिक और मानसिक रूप से गहरा असर पड़ता है। अभिनेता अमिताभ बच्चन ने अपने पर्सनल ब्लॉग पर लिखा कि डिस्चार्ज के बाद घर का सफर अक्सर इलाज से भी मुश्किल होता है। उन्होंने लिखा, 'अस्पताल में सर्जरी और आईसीयू में रहने के बाद, कुशल डॉक्टरों और मेडिकल स्टाफ की देखरेख में इलाज पूरा होता है, फिर छुट्टी मिलती है और घर वापसी होती है, लेकिन घर लौटने के बाद का समय शारीरिक, मानसिक और व्यवहारिक रूप से सबसे कठिन होता है। आप एक सम्मानित चैंपियन होते हैं और फिर एक दिन हार आपके सामने आ जाती है। यह जिंदगी का सबसे मुश्किल समय हो सकता है।' उन्होंने लिखा, 'कुछ लोग इस दौर का हिम्मत से सामना करते हैं, जबकि कुछ हार मान लेते हैं और संघर्ष करते रहते हैं, वे साहस बनाए रखते हैं। वे हमेशा चैंपियन बने रहते हैं। जो ऐसा नहीं कर पाते, वे अपनी पुरानी सफलताओं को याद करते हुए जीवन में आगे बढ़ते हैं। यह हर व्यक्ति की अपनी निजी पसंद और फैसला होता है। दोनों में कुछ भी गलत नहीं है। स्वस्थ रहें, खुश रहें। '

गाने पर मिला जुला रिस्पॉन्स

इस बीच, 'ये आवारापन' गाने को नेटीजंस से मिला-जुला रिस्पॉन्स मिला है। 'आवारापन 2' के म्यूजिक से उम्मीदें काफी ज्यादा थीं, क्योंकि पहले पार्ट के गाने बहुत अच्छे थे। दर्शक उन गानों को आज भी याद करते हैं और पसंद करते हैं।

गलत हाथों में नहीं जाने दूंगी कमान

आरोपियों पर भड़कीं श्वेता मेनन

21 जून को श्वेता मेनन ने मलयालम मूवी आर्टिस्ट्स के अध्यक्ष पद से इस्तीफा दिया। केरल सरकार ने इस पूरे मामले की जांच कराई है। मेनन ने हेमा कमेटी पर अपनी बात रखी है। 'एसोसिएशन ऑफ मलयालम मूवी आर्टिस्ट्स' (एएमएमए) का मामला अभी भी चर्चा में हैं। 21 जून को एएमएमए की प्रेसिडेंट श्वेता मेनन ने अपने पद से अचानक इस्तीफा दे दिया। उसी दिन संगठन की पूरी एग्जीक्यूटिव कमेटी ने एक साथ इस्तीफा दे दिया। इसके बाद इस मामले में केरल सरकार की तरफ से जांच कराई गई। श्वेता मेनन ने इस पर अपनी बात रखी है। सरकार की तरफ से गठित हेमा कमेटी ने मलयालम फिल्म इंडस्ट्री में महिलाओं के खिलाफ यौन उत्पीड़न, शोषण और कार्यस्थल पर भेदभाव के आरोपों की जांच की गई है। एएमएमए की प्रेसिडेंट और एक्ट्रेस श्वेता मेनन ने मंगलवार को फेसबुक पोस्ट में कहा 'मेरी लड़ाई पावर ग्रुप के खिलाफ है। पिछली एजीएम में उन्होंने मुझे नीचा दिखाने और बाहर निकालने की कोशिश की थी।

पंकज त्रिपाठी की 'ओह माय डॉग' में दिखेगा इंसान और डॉग का खास रिश्ता

बॉलीवुड अभिनेता पंकज त्रिपाठी अपनी दमदार एक्टिंग के लिए जाने जाते हैं। अब वह अपनी आने वाली फिल्म 'ओह माय डॉग' को लेकर चर्चा में हैं। फिल्म के ट्रेलर लॉन्च के मौके पर पंकज त्रिपाठी ने बताया कि यह सिर्फ एक फिल्म नहीं, बल्कि इंसान और डॉगी के बीच बने भावनात्मक रिश्ते को दिखाने वाली कहानी है। फिल्म के ट्रेलर लॉन्च के दौरान पंकज त्रिपाठी ने बताया कि जब निर्देशक अमित राय उनके पास इस फिल्म की कहानी लेकर आए तो उन्होंने तुरंत हामी भर दी। अभिनेता ने कहा, ''मैंने इससे पहले अमित राय के साथ फिल्म 'ओह माय गॉड 2' में काम किया था। जब अमित ने 'ओह माय डॉग' की कहानी सुनाई तो मुझे यह बेहद खास लगी। मैंने अमित से कहा कि मैं फिल्म करूंगा, चाहे मेरा किरदार कुछ भी हो। इंसान और डॉगी के बीच का रिश्ता बहुत अनोखा होता है। एक पालतू जानवर अपने मालिक से बिना किसी शर्त के प्यार करता है। वह सिर्फ साथ नहीं देता, बल्कि परिवार का हिस्सा बन जाता है। यह इसी खूबसूरत भावना को दिखाने वाली फिल्म है।''

महिलाओं का सम्मान उनके कपड़ों से नहीं, उनकी पहचान से होना चाहिए : निधि शेट्टी

टीवी शो 'अनुपमा' में प्रेरणा के किरदार में अपनी अलग पहचान बना रहीं अभिनेत्री निधि शेट्टी इन दिनों शो के मौजूदा ट्रैक को लेकर चर्चा में हैं। निधि का मानना है कि 'अनुपमा' सिर्फ मनोरंजन नहीं करता, बल्कि समाज में मौजूद कई ऐसी सोच पर भी सवाल उठाता है, जिनका सामना आज भी महिलाएं अपने रोजमर्रा के जीवन में करती हैं। निधि शेट्टी ने कहा, 'अनुपमा दर्शकों के दिलों तक इसलिए पहुंचता है क्योंकि इसकी कहानी काल्पनिक कम और वास्तविक जीवन के ज्यादा करीब होती है। शो में दिखाई जाने वाली परिस्थितियां वही हैं, जिनका सामना आज भी देश के कई परिवारों में महिलाएं करती हैं। प्रेरणा के किरदार के जरिए ऐसे मुद्दों को सामने लाया जा रहा है, जिन पर समाज में खुलकर बात होना जरूरी है। उन्होंने आगे कहा, ''अगर इस शो को देखने के बाद कुछ लोग भी अपनी सोच बदलने की कोशिश करें या महिलाओं को लेकर बने पुराने नजरिए पर दोबारा विचार करें, तो यह हमारे लिए सबसे बड़ी सफलता होगी। एक कलाकार के तौर पर ऐसी कहानी का हिस्सा बनना हमेशा खुशी देता है, जो सिर्फ मनोरंजन न करे, बल्कि समाज को सोचने पर भी मजबूर करे। शो के हालिया एपिसोड में प्रेरणा एक सीन में परिवार के सामने अपनी बात मजबूती से रखती है। इस बारे में बात करते हुए निधि ने कहा, ''मैंने इस सीन में गुस्से से ज्यादा प्रेरणा की भावनाओं पर ध्यान दिया। वह अपने कपड़ों के लिए नहीं लड़ रही है, बल्कि इसलिए आवाज उठा रही है, क्योंकि वह बार-बार अपनी निजी पसंद को लेकर जज किए जाने से थक चुकी है। उसे सबसे ज्यादा इस दोहरे मापदंड ने तकलीफ पहुंचाई कि जो बातें एक बेटी के लिए सामान्य मानी जाती हैं, वही बहू के लिए सवाल बन जाती हैं।'

महिमा मकवाना ने बताई इंडस्ट्री की सबसे बड़ी चुनौती

अभिनेत्री महिमा मकवाना ने अपने करियर में कई तरह के किरदार निभाए हैं और अब वह अपनी आने वाली वेब सीरीज 'मुसाफिर कैफे' को लेकर चर्चा में हैं। इस बीच, उन्होंने आईएएनएस को दिए इंटरव्यू में कहा कि अभिनय की दुनिया जितनी ग्लैमरस दिखाई देती है, उतनी ही चुनौतीपूर्ण भी होती है। उन्होंने कहा कि इस इंडस्ट्री में काम के घंटे तय नहीं होते और कई बार कलाकारों को लगातार व्यस्त रहना पड़ता है। ऐसे में मानसिक रूप से खुद को मजबूत बनाए रखने के लिए एक रूटीन होना बेहद जरूरी है। बातचीत में महिमा ने कहा, 'मुझे लगता है कि एक खास तरह का रूटीन हमेशा जरूरी होता है, ताकि हमारा मानसिक स्वास्थ्य भी सही रहे. अभिनय ऐसा पेशा है, जिसमें कलाकार को हमेशा अपना सर्वश्रेष्ठ देने की कोशिश करनी पड़ती है। इसमें आपको हर समय शांत मानसिकता में रहना पड़ता है, इसलिए किसी भी तरह की एक तय व्यवस्था बहुत जरूरी है और अब इसे लेकर जागरूकता भी बढ़ रही है। '

महिमा ने कहा, ''मनोरंजन जगत में सबसे बड़ी मुश्किल यह है कि यहां काम के दिन और छुट्टियों का कोई निश्चित नियम नहीं होता।

नेपाल के तराई क्षेत्र में हो रही बारिश से मुजफ्फरपुर की प्रमुख नदियों का जलस्तर बढ़ा

एजेंसी

मुजफ्फरपुर : नेपाल के तराई क्षेत्रों और जललग्रहण इलाकों में लगातार हो रही भारी बारिश का सीधा असर बिहार के मुजफ्फरपुर जिले पर दिखने लगा है। जिले की प्रमुख नदियों के जलस्तर में तेजी से उतार-चढ़ाव दर्ज किया जा रहा है। स्थिति को देखते हुए जिला आपदा प्रबंधन विभाग और जल संसाधन विभाग पूरी तरह सतर्क मोड पर हैं। जिला आपातकालीन संचालन केंद्र द्वारा गुरुवार सुबह 6 बजे जारी किए गए दैनिक जलस्तर और बाढ़ पूवार्नुमान आंकड़ों के अनुसार, जिले से गुजरने वाली मुख्य नदियों के गेज स्टेशनों पर पानी का दबाव लगातार बना हुआ है। ताजा रिपोर्ट के मुताबिक, बागमती नदी का जलस्तर खतरे के निशान के बेहद करीब पहुंच गया है। कटौझा स्थित गेज स्टेशन पर बागमती नदी का आज का जलस्तर 54.45 मीटर दर्ज किया गया है। यहां नदी का खतरे का निशान 55.00 मीटर निर्धारित है। हालांकि, राहत की बात यह है कि पिछले कुछ घंटों में यहां जलस्तर की प्रवृत्ति में मामूली गिरावट देखी गई है, लेकिन नेपाल में दोबारा बारिश होने पर यह कभी भी खतरे के निशान को पार कर सकती है। इस क्षेत्र का अब तक का उच्चतम जलस्तर वर्ष 2021 में 58.34 मीटर रहा था। दूसरी ओर, गंडक नदी का जलस्तर तेजी से बढ़ रहा है। रेवाघाट गेज स्टेशन पर गंडक नदी का आज का जलस्तर 53.51 मीटर मापा गया है, जो खतरे के निशान 54.41 मीटर से अब सिर्फ 0.90 मीटर नीचे रह गया है। विभाग के अनुसार, रेवाघाट में नदी का जलस्तर लगातार बढ़ने की प्रवृत्ति में है, जिसने तटवर्ती इलाकों के ग्रामीणों की चिंता बढ़ा दी है। इसके अलावा, सिकंदरपुर में बूढ़ी गंडक नदी का जलस्तर फिलहाल 50.22 मीटर पर स्थिर बना हुआ है, जो खतरे के निशान 52.53 मीटर से सुरक्षित दूरी पर है। नदियों के इस बदलते मिजाज को देखते हुए कनीय अभियंता, जल निस्सरण प्रमंडल-सह-प्रतिनियुक्त अभियंता, जिला बाढ़ नियंत्रण कक्ष ने सभी तटबंधों की निगरानी बढ़ा दी है। जिला प्रशासन ने निचले इलाकों और दियारा क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को सतर्क रहने की हिदायत दी है। बाढ़ सुरक्षात्मक सामग्रियों की उपलब्धता सुनिश्चित कर दी गई है और चौबीसों घंटे इंजीनियरों की टीम स्थिति पर नजर रखे हुए है ताकि किसी भी आपात स्थिति से तुरंत निपटा जा सके।

छत्तीसगढ़ में मानसून सक्रिय:सरगुजा, बिलासपुर और रायपुर संभाग के जिलों में भारी से बहुत भारी बारिश की चेतावनी

रायपुर : छत्तीसगढ़ में मानसून सक्रिय है। मौसम विभाग के अनुसार आज गुरुवार को रायपुर और दुर्ग संभाग सहित प्रदेश के कई हिस्सों में अच्छी बारिश होने की संभावना है। वहीं मध्य और उत्तर छत्तीसगढ़ के एक- दो स्थानों पर गरज-चमक के साथ बिजली गिरने की भी आशंका जताई गई है। प्रदेश में पिछले 48 घंटों से लगातार बारिश का सिलसिला जारी है। राजधानी रायपुर सहित सरगुजा, बिलासपुर और दुर्ग संभाग के कई इलाकों में झमाझम बारिश दर्ज की गई है। मौसम विभाग ने आगामी 5 दिनों तक कई जिलों में भारी बारिश की संभावना जताई है। मध्य और उत्तर छत्तीसगढ़ के सरगुजा, बिलासपुर और रायपुर संभाग के जिलों में भारी से बहुत भारी बारिश की चेतावनी दी गई है। कोरिया, जशपुर, रायगढ़ और जांजगीर-चांपा जैसे जिलों के लिए विशेष ऑरेंज अलर्ट जारी है। लगातार मूसलाधार बारिश से कई इलाकों में जलभराव की समस्या हो गई है। सूरजपुर जिले में गोबरी नदी पर बना रपटा पुल और मुंगेली में कई पुल-पुलिया डूब गए हैं। सरगुजा संभाग में नदी-नाले उफान पर हैं और आवागमन प्रभावित हुआ है। पिछले 24 घंटे में बिलासपुर संभाग के कई इलाकों में भारी बारिश दर्ज की गई। वहीं रायगढ़ में लगातार बारिश से केलो नदी का जलस्तर बढ़ गया, जिसके चलते केलो डैम के 4 गेट खोल दिए गए। बेलदुला रपटा पुल पर भी पानी चढ़ने लगा है. ऐसे में आसपास के लोगों को सावधानी बरतने की हिदायत दी गई है। कोरबा में लगातार हो रही बारिश के बीच कोरबा जिले में मिनीमाता बांगो बांध का जलस्तर तेजी से बढ़ रहा है। इसे देखते हुए जल संसाधन विभाग ने वर्षाकाल-2026 के लिए अलर्ट जारी कर दिया है। विभाग ने संकेत दिए हैं कि यदि जलस्तर निर्धारित सीमा तक पहुंचता है तो बांध के गेट खोलकर हसदेव नदी में पानी छोड़ा जा सकता है। मौसम विभाग का कहना है कि अगले दो दिनों तक प्रदेश में मानसून सक्रिय रहेगा, जिससे अधिकांश जिलों में वर्षा का दौर जारी रहने की संभावना है। लगातार बारिश के कारण राजधानी रायपुर के अधिकतम तापमान में भी उल्लेखनीय गिरावट दर्ज की गई है।रायपुर में अधिकतम 25 और न्यूनतम 23 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज किया गया। मौसम वैज्ञानिकों ने बताया कि मानसून द्रोणिका उत्तर-पूर्वी बंगाल की खाड़ी तक सक्रिय बनी हुई है। इसी प्रणाली के प्रभाव से प्रदेश में वर्षा की गतिविधियां बनी हुई हैं। विभाग ने लोगों को खराब मौसम के दौरान खुले स्थानों पर जाने और गरज-चमक के समय पेड़ों या बिजली के खंभों के नीचे खड़े होने से बचने की सलाह दी है।

बिहार में यूरिया-डीएपी की पर्याप्त उपलब्धता को लेकर सांसद ने केंद्रीय अधिकारियों से की मुलाकात

पश्चिम चम्पारण (बगहा) : वाल्मीकिनगर लोकसभा क्षेत्र सहित पूरे बिहार में खरीफ फसलों के लिए यूरिया और डीएपी की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित कराने के उद्देश्य से वाल्मीकिनगर के सांसद सुनील कुमार ने नई दिल्ली में केंद्रीय रसायन एवं उर्वरक मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों से मुलाकात कि है। सांसद ने उर्वरक एवं रसायन मंत्रालय की संयुक्त सचिव वंदना प्रेयसी तथा रसायन एवं उर्वरक मंत्रालय के निदेशक (मूवमेंट) अभय कुमार के साथ विस्तृत चर्चा करते हुए किसानों को समय पर पर्याप्त मात्रा में उर्वरक उपलब्ध कराने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि खरीफ सीजन में यूरिया और डीएपी की कमी से किसानों को कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है, इसलिए समय पर आपूर्ति सुनिश्चित करना अत्यंत आवश्यक है। बैठक के दौरान केंद्रीय अधिकारियों ने सांसद को आश्वस्त किया कि बिहार में किसानों की जरूरत के अनुरूप यूरिया एवं डीएपी की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक कदम उठाए जायेंगे और शीघ्र ही उर्वरकों की आपूर्ति में सुधार किया जायेगा। सांसद सुनील कुमार ने उम्मीद जताई कि केंद्र सरकार के इस आश्वासन से वाल्मीकिनगर लोकसभा क्षेत्र सहित पूरे बिहार के किसानों को खरीफ फसल की बुवाई और खेती कार्य में राहत मिलेगी तथा उर्वरकों की कमी की समस्या दूर होगी।

शिमला में कमरे से चोरी हुए तीनों लैपटॉप बरामद, आरोपी चंडीगढ़ से गिरफ्तार

शिमला : शिमला पुलिस ने कमरे से तीन लैपटॉप चोरी होने के मामले का खुलासा करते हुए आरोपी को चंडीगढ़ से गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपी की निशानदेही पर चोरी किए गए तीनों लैपटॉप भी बरामद कर लिए हैं। पुलिस के अनुसार 21 जुलाई को पुलिस थाना छोटा शिमला में मल्याणा निवासी अमित की शिकायत पर भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 305(ए) के तहत मामला दर्ज किया गया था। शिकायतकर्ता ने पुलिस को बताया था कि उसके कमरे से तीन लैपटॉप चोरी हो गए हैं। मामले की जांच के दौरान पुलिस थाना छोटा शिमला की टीम ने तकनीकी साक्ष्यों और मानवीय सूचना के आधार पर जांच आगे बढ़ाई। जांच में कुल्लू जिले के निरमंड निवासी कार्तिक सिंह (26) पुत्र संसार सिंह की कथित संलिप्तता सामने आई। इसके बाद पुलिस टीम ने 22 जुलाई को मनीमाजरा, चंडीगढ़ में कार्रवाई कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ के दौरान आरोपी की निशानदेही पर चोरी किए गए तीनों लैपटॉप बरामद कर लिए गए। पुलिस के एक अधिकारी ने वीरवार को बताया कि आरोपी को रिमांड पर लेने के लिए अदालत में पेश किया जा रहा है।

चंद्रशेखर आजाद का सर्वोच्च बलिदान सदैव राष्ट्रभक्ति की अलख जगाता रहेगा : केशव प्रसाद मौर्य

लखनऊ : उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने गुरूवार को सात कालिदास मार्ग लखनऊ स्थित सरकारी आवास पर महान क्रांतिकारी अमर शहीद चंद्रशेखर आजाद की जयंती पर उनके स्मृति-चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर नमन किया। इस अवसर पर केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि मातृभूमि की स्वतंत्रता और स्वाभिमान के लिए उनका त्याग, समर्पण और सर्वोच्च बलिदान सदैव हर भारतीय के हृदय में राष्ट्रभक्ति की अलख जगाता रहेगा। अद्वितीय पराक्रम, अदम्य साहस और अटूट राष्ट्रभक्ति के प्रतीक, चंद्रशेखर आजाद का त्याग, साहस और मातृभूमि की स्वतंत्रता के प्रति उनका अटूट समर्पण भारतीय इतिहास की अमूल्य धरोहर है। केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि उनका प्रेरणादायी जीवन प्रत्येक देशवासी को राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखते हुए कर्तव्यपथ पर आगे बढ़ते रहने की प्रेरणा देता है।

मुठभेड़ में अभियुक्त गिरफ्तार गोली लगने से घायल

फिरोजाबाद : उत्तर प्रदेश के फिरोजाबाद जनपद में थाना पचोखरा पुलिस टीम ने बुधवार देर रात चोरी की घटना कारित करने वाले एक अभियुक्त को मुठभेड़ में गिरफ्तार किया है। पैर में गोली लगने से घायल अभियुक्त को उपचार के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया है। सीओ टूंडला अरुण कुमार चौरसिया ने बताया कि थाना पचोखरा क्षेत्र के गांव कोटकी निवासी मुकेश कुमार बघेल पुत्र स्व. बीरी सिंह ने 22 जुलाई को थाने पर शिकायत दी कि उनकी दुकान पचोखरा में स्थित जय अम्बे ट्रेडर्स में से किसी अज्ञात चोरों द्वारा दीवार तोडकर दुकान में रखे आठ लीड होल्डर (कॉपर) एवं 10 हजर रुपओ नकद चोरी हो गये हैं। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर अभियुक्तों की तलाश शुरू कर दी। उन्होंने बताया कि पचोखरा थानाध्यक्ष सुरेंद्र भाटी पुलिस टीम के साथ बुधवार देर रात क्षेत्र में गश्त पर थे। तभी सूचना मिली कि चोरी के मामले में वांछित अभियुक्त चोरी के माल को पचोखरा श्रीनगर पैठ रोड पर बेचने की फिराक में जा रहा है। सूचना पर पुलिस टीम ने घेराबंदी की तो बदमाश ने पुलिस पार्टी पर जान मे मारने की नियत से फायर किया। पुलिस टीम की जवाबी फायरिंग में बदमाश के पैर मे गोली लग गयी। बदमाश घायल हो गया। उसकी पहचान अंग्रेज उर्फ शिवम पुत्र ओमबाबू निवासी कस्बा व थाना पचोखरा जनपद फिरोजाबाद के रुप में हुई है। घायल अभियुक्त के कब्जे से एक तमंचा 315 बोर , 01 खोका व 03 जिंदा कारतूस व तांबे के तार के बंडल के साथ चार हजार रुपये बरामद हुए है। सीओ ने बताया कि घायल अभियुक्त अंग्रेज उर्फ शिवम को पुलिस अभिरक्षा में उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया है। अभियुक्त के विरुद्ध अग्रिम विधिक कार्यवाही की जा रही है।

बिहार के सीवान में करंट की चपेट में आकर वृद्धा व नीलगाय की मौत

सीवान : बिहार में सीवान जिले के बड़हरिया थाना क्षेत्र के ज्ञानी मोड़ के उत्तर स्थित जलपुरवा गांव में गुरुवार सुबह खेत में अवैध रूप से दौड़ाए गए बिजली के करंट की चपेट में आने से 65 वर्षीय वृद्धा की मौत हो गई। इसी करंट की चपेट में आकर एक नीलगाय ने भी दम तोड़ दिया। घटना के बाद पूरे गांव में मातम पसर गया, जबकि ग्रामीणों में भारी आक्रोश व्याप्त है। मृतका की पहचान संगीता देवी (65 वर्ष), पति लक्ष्मण सिंह, निवासी जलपुरवा गांव के रूप में हुई है। परिजनों और ग्रामीणों के अनुसार, गांव के ही वीरेंद्र सिंह फसलों को नीलगाय से बचाने के लिए अपने खेत के चारों ओर अवैध रूप से नंगे तारों में बिजली का करंट प्रवाहित करते थे। आरोप है कि वह रोज रात में खेत की घेराबंदी में करंट छोड़ते थे और सुबह होने से पहले तार हटा लेते थे। बताया जाता है कि घटना वाले दिन सुबह संगीता देवी खेत की ओर गई थीं। उसी दौरान तारों में बिजली का प्रवाह जारी था। अनजाने में उनका संपर्क नंगे तार से हो गया, जिससे करंट लगने से उनकी मौके पर ही मौत हो गई। इसी दौरान एक नीलगाय भी करंट की चपेट में आ गई और उसकी भी मौत हो गई।

घटना की सूचना मिलते ही बड़हरिया थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी की। इसके बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल, सीवान भेज दिया गया। इस घटना के बाद गांव में शोक और आक्रोश का माहौल है। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। ग्रामीणों ने अवैध रूप से खेतों में करंट प्रवाहित करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। पुलिस ने बताया कि मामले की जांच शुरू कर दी गई है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और प्राप्त आवेदन के आधार पर आगे की विधिसम्मत कार्रवाई की जाएगी।

राहुल गांधी देश और संविधान से ऊपर नहीं,

कांग्रेस न संविधान मानती है, न कानून: अरुण साव

एजेंसी

रायपुर : छत्तीसगढ़ के उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने आज गुरुवार को एक बयान जारी कर कहा कि, भाजपा द्वारा कांग्रेस प्रदेश कार्यालय के घेराव के समय कांग्रेस ने जिस तरह का रवैया अपनाया वह बहुत दुर्भाग्यजनक है। पता नहीं कांग्रेस किस दिशा में जा रही है, सत्ता से बाहर होने पर हताशा में दुर्व्यवहार का रास्ता अख्तियार कर ली है। साव ने कहा कि, जब ये सरकार में होते हैं तो ये सत्ता का दुरुप्रयोग करते हैं। कल भारतीय जनता पार्टी के आंदोलन के दौरान कांग्रेसी जिस प्रकार से डंडे लहरा रहे थे, सामने में आकर नारे लगा रहे थे। ऐसा कर वे क्या बताना चाहते हैं? उन्होंने कहा कि, अपने नेता को जांबाज बताते हैं। जो नेता मान्य परंपरा, कानून व्यवस्था, संविधान से परे जाकर आचरण करता है, उसे जांबाज बताते हैं। वहीं जांबाजी ये दिखाने की कोशिश कर रहे थे और अब पुलिस प्रशासन को धमकाने का काम कर रहे हैं। साव ने कहा कि, सूरजपुर की घटना के दौरान इनके नेताओं ने पुलिस को धमकाया और अब ये फिर धमका कर क्या साबित करना चाहते हैं। इनकी धमकियों से कोई डरने वाला नहीं है। सभी के लिए कानून समान है। सभी को कानून सम्मत आचरण करना चाहिए। लेकिन यह दुर्भाग्यजनक है कि कांग्रेस न संविधान मानती है, न कानून मानती है। देश में अराजकता पैदा करने की कोशिश कर रही है। उप मुख्यमंत्री साव ने कहा कि, नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री आवास के सामने प्रदर्शन कर अराजकता पैदा करने की कोशिश की। राहुल गांधी लगातार ऐसा आचरण कर रहे हैं कि वे देश से ऊपर हैं, देश के संविधान से ऊपर हैं, और वही स्वभाव छत्तीसगढ़ में कांग्रेस का है।

साव ने कहा कि, ये एक तरफ उत्पात करते हैं और दूसरी तरफ पुलिस को धमकाते हैं। यह शांत प्रदेश है। इस तरह का आचरण छत्तीसगढ़ की जनता बर्दाश्त नहीं करेगी। इसकी सजा छत्तीसगढ़ की जनता कांग्रेस को जरूर देगी।

गंभीर बीमारियों के इलाज में सरकार करेगी भरपूर मदद : मुख्यमंत्री योगी

एजेंसी

गोरखपुर : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को गोरखनाथ मंदिर में आयोजित जनता दर्शन में करीब 200 लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं और अधिकारियों को उनके त्वरित, पारदर्शी तथा संतोषजनक समाधान के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि सरकार हर जरूरतमंद के साथ खड़ी है और किसी भी स्तर पर जनसमस्याओं के निस्तारण में लापरवाही कतई बर्दाश्त नहीं की जाएगी। गुरुवार सुबह गोरखनाथ मंदिर परिसर स्थित महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन के बाहर आयोजित जनता दर्शन में प्रदेश के विभिन्न जिलों से आए लोगों ने मुख्यमंत्री के समक्ष अपनी समस्याएं रखीं। मुख्यमंत्री ने एक-एक फरियादी से आत्मीयता के साथ संवाद किया। उनकी बात ध्यानपूर्वक सुनी और संबंधित अधिकारियों को प्रार्थना पत्र सौंपते हुए समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। जनता दर्शन में बड़ी संख्या में ऐसे लोग भी पहुंचे, जिन्होंने गंभीर बीमारियों के उपचार के लिए आर्थिक सहायता की मांग की। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उन्हें भरोसा दिलाया कि धन के अभाव में किसी भी जरूरतमंद का इलाज नहीं रुकने दिया जाएगा। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि पात्र मरीजों के इलाज का विस्तृत इस्टीमेट तत्काल तैयार कर शासन को भेजा जाए ताकि सरकार शीघ्र आर्थिक सहायता उपलब्ध करा सके।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार गरीब और जरूरतमंद परिवारों के स्वास्थ्य को लेकर पूरी तरह संवेदनशील है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी पात्र लोगों के आयुष्मान भारत कार्ड बनवाने की प्रक्रिया भी तेज की जाए, ताकि उन्हें भविष्य में भी बेहतर और निःशुल्क उपचार की सुविधा मिल सके। मुख्यमंत्री ने कहा कि किसी भी व्यक्ति के साथ अन्याय नहीं होना चाहिए। प्रत्येक शिकायतकर्ता के साथ संवेदनशील और सम्मानजनक व्यवहार किया जाए तथा उसकी समस्या का शीघ्र समाधान सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने विशेष रूप से राजस्व एवं पुलिस विभाग से जुड़े मामलों में गंभीरता बरतने के निर्देश दिए। पारिवारिक विवादों के मामलों में मुख्यमंत्री ने कहा कि पहले संवाद और आपसी सहमति से समाधान का प्रयास किया जाए। यदि आवश्यक हो तभी विधिक कार्रवाई की जाए। उन्होंने कहा कि शासन की प्राथमिकता लोगों को राहत पहुंचाना है। इसलिए हर शिकायत का निस्तारण तत्परता, पारदर्शिता और मानवीय संवेदनाओं के साथ किया जाना चाहिए।

गोशाला पहुंचकर की गोसेवा, गोवंश को खिलाया गुड़

जनता दर्शन के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की दिनचर्या परंपरा के अनुरूप रही। उन्होंने सबसे पहले गुरु गोरखनाथ का दर्शन-पूजन किया। अपने गुरुदेव ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ की प्रतिमा पर श्रद्धासुमन अर्पित किए। इसके बाद मंदिर परिसर का भ्रमण करते हुए गोशाला पहुंचे। गायों और अन्य गोवंश को अपने हाथों से गुड़ खिलाया।

मुख्यमंत्री ने गोशाला के कार्यकताओं से गोवंश के स्वास्थ्य, चारे और देखभाल की व्यवस्थाओं की जानकारी ली। उनके बेहतर संरक्षण और सेवा के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए। गोशाला में मुख्यमंत्री का स्नेहपूर्ण व्यवहार और गोसेवा का दृश्य वहां उपस्थित लोगों के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र रहा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का यह जनता दर्शन एक बार फिर इस संदेश के साथ संपन्न हुआ कि प्रदेश सरकार आमजन की समस्याओं के समाधान, जरूरतमंदों के उपचार और सुशासन की प्रतिबद्धता को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है। जनसुनवाई के दौरान मुख्यमंत्री की संवेदनशीलता, त्वरित निर्णय क्षमता और अधिकारियों को दिए गए स्पष्ट निदेर्शों ने फरियादियों में न्याय और राहत की नई उम्मीद जगाई।

भूस्खलन और भारी बारिश के कारण जम्मू-श्रीनगर एनएच-44 और डोडा-किश्तवाड़ रोड बंद

श्रीनगर : गुरुवार को भारी बारिश के कारण कई संवेदनशील जगहों पर भूस्खलन, पत्थर और मालवा गिरने की घटनाओं के बाद रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण जम्मू-श्रीनगर नेशनल हाईवे (एनएच -44) पर गाड़ियों की आवाजाही रोक दी गई है जिससे इस अहम रास्ते पर यातायात बाधित हुआ है। अधिकारियों के अनुसार लगातार बारिश और भूस्खलन व मलबे के जमा होने से सड़क की हालत असुरक्षित हो गई है जिसके चलते डोडा-किश्तवाड़ रोड भी बंद कर दी गई है। वहीं श्रीनगर-सोनमर्ग-गुमरी (एसएसजी) रोड और ऐतिहासिक मुगल रोड ट्रैफिक के लिए खुले हैं हालांकि अधिकारियों ने यात्रियों को सावधानी बरतने की सलाह दी है क्योंकि पूरे जम्मू-कश्मीर में मौसम खराब बना हुआ है। यातायात पुलिस ने कहा कि भारी बारिश केंद्र शासित प्रदेश के कई हाईवे और सड़कों को प्रभावित कर रही है जिससे भूस्खलन, पत्थर गिरने और सड़क जाम होने का खतरा बढ़ गया है।

अधिकारियों ने यात्रियों से अपील की है कि वे तब तक गैर-जरूरी यात्रा से बचें जब तक मौसम ठीक न हो जाए और सड़कों को गाड़ियों की आवाजाही के लिए सुरक्षित घोषित न कर दिया जाए। ट्रैफि क पुलिस ने लोगों को सलाह दी है कि किसी भी यात्रा पर निकलने से पहले वे आधिकारिक ट्रैफि क कंट्रोल यूनिट्स और विभाग के सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के जरिए सड़क की ताजा स्थिति की जाँच कर लें ताकि किसी भी तरह की परेशानी से बचा जा सके।

सराफा बाजार में चमका सोना, चांदी का भी बढ़ा भाव

एजेंसी

नई दिल्ली : घरेलू सराफा बाजार में आज शुरूआती कारोबार के दौरान जबरदस्त तेजी का रुख बना हुआ नजर आ रहा है। भाव में आए उछाल के कारण देश के ज्यादातर सराफा बाजार में सोना 2,100 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 2,190 रुपये प्रति 10 ग्राम तक महंगा हो गया है। वहीं चांदी के भाव में भी आज 5,200 रुपये प्रति किलोग्राम की जोरदार तेजी नजर आ रही है। भाव में आए उछाल के कारण देश के ज्यादातर सराफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,46,420 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,46,570 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 1,34,310 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,34,460 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में भी तेजी आने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सराफा बाजार में आज 2,40,100 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है। दिल्ली में 24 कैरेट सोना आज 1,46,570 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,34,460 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,46,420 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,34,310 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,46,470 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,34,360 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 1,46,420 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,34,310 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,46,420 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,34,310 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। भोपाल में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,46,470 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,34,360 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

जयपुर में 24 कैरेट सोना 1,46,570 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,34,460 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,46,470 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,34,360 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। लखनऊ के सराफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,46,570 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 1,34,460 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सराफा बाजार में भी आज सोने के भाव में तेजी का रुख बना हुआ नजर आ रहा है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना 1,46,420 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सराफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 1,34,310 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

न्यूज IN ब्रीफ

जिले के सभी प्रखंड मे विधिक सशक्तिकरण शिविर 26 को

मेदिनीनगर : झालसा के दिशा निर्देश व पलामू के प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश श्रीराम शर्मा के मार्गदर्शन में 26 जुलाई रविवार को जिले के सभी प्रखंड में विधिक सशक्तिकरण शिविर व कानूनी जागरुकता शिविर का आयोजन किया जाएगा। शिविर का आयोजन पूर्वाह्न 11 बजे से अपराह्न तीन बजे तक होगा। उक्त आशय की जानकारी जिला विधिक सेवा प्राधिकार के सचिव राकेश रजंन ने दी।उन्होंने बताया कि इसको सफल आयोजन को ले जिला के उपायुक्त को पत्र भेजा गया हैं।बिदित ही कि शिविर में विभिन्न सरकारी कल्याणकारी योजनाओं के स्टॉल लगाए जाएंगे व लाभुकों बक बीच परिसम्पत्तियों का वितरण किया जायेगा। इसके लिए सभी अनुमंडल पदाधिकारी, प्रखंड विकास पदाधिकारी अंचल अधिकारी पुलिस प्रशासन के लोग व पीएलवी को कार्यक्रम को सफल बनाने हेतु निर्देश दिया गया हैं। कार्यक्रम में न्यायिक पदाधिकारी व एलएडीसी के अधिवक्ता शामिल होंगे।

बासुकीनाथ धाम की सुरक्षा के लिए 27 अतिरिक्त पुलिस पदाधिकारी तैनात

रांची: राजकीय श्रावणी मेला-2026 के दौरान बाबा बासुकीनाथ धाम में श्रद्धालुओं की सुरक्षा और सुचारु व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए झारखंड पुलिस मुख्यालय ने विशेष सुरक्षा इंतजाम किए हैं। पुलिस महानिदेशक के निर्देश पर राज्य के विभिन्न जिलों और प्रशिक्षण संस्थानों से 27 अतिरिक्त पुलिस पदाधिकारियों एवं प्रशिक्षु हवलदारों की प्रतिनियुक्ति दुमका के बासुकीनाथ धाम में की गई है। पुलिस मुख्यालय के अनुसार, इन अधिकारियों की तैनाती 25 जुलाई से 31 अगस्त 2026 तक प्रभावी रहेगी। यह निर्णय दुमका के पुलिस अधीक्षक के अनुरोध पर लिया गया है, ताकि श्रावणी मेले में आने वाले लाखों श्रद्धालुओं के लिए सुरक्षा, भीड़ नियंत्रण और विधि-व्यवस्था को प्रभावी ढंग से संचालित किया जा सके। मुख्यालय ने प्रतिनियुक्ति के लिए ऐसे पुलिस पदाधिकारियों को प्राथमिकता दी है, जिन्हें पूर्व के श्रावणी मेलों में ड्यूटी का अनुभव रहा है। इनकी जिम्मेदारी मंदिर परिसर और मेला क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने, भीड़ प्रबंधन करने तथा किसी भी आपात स्थिति से त्वरित और प्रभावी तरीके से निपटने की होगी।
प्रतिनियुक्त अधिकारियों में धनबाद जिला बल से पांच, रांची जिला बल से आठ, गुमला एवं सिमडेगा से तीन, पलामू से तीन पुलिस पदाधिकारी शामिल हैं। इसके अलावा सीटीसी मुसाबनी से आठ प्रशिक्षु हवलदारों को भी सुरक्षा व्यवस्था में लगाया गया है।
झारखंड पुलिस मुख्यालय का कहना है कि अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती से श्रावणी मेले के दौरान सुरक्षा व्यवस्था और अधिक मजबूत होगी। इससे श्रद्धालुओं को सुरक्षित वातावरण में बाबा बासुकीनाथ के दर्शन और जलाभिषेक करने में सुविधा मिलेगी, वहीं किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए पुलिस पूरी तरह मुस्तैद रहेगी।

रानी तालाब के निकासी नाले की सफाई शुरू, जलजमाव से राहत की पहल

चक्रधरपुर : लगातार हो रही बारिश के कारण रानी तालाब का जलस्तर बढ़ने से तालाब का पानी सड़कों पर बहने लगा है, जिससे आसपास के क्षेत्र में जलजमाव की स्थिति बन गई है। इस समस्या के समाधान के लिए नगर परिषद ने जेसीबी मशीन की सहायता से तालाब के निकासी नाले की सफाई का कार्य शुरू कराया है। साथ ही बिजली विभाग के सहयोग और शर्ट डाउन लेकर तालाब के निकासी नाले की सफाई करवाई जा रही है। इस मौके पर झामुमो नेता मोहम्मद अशरफ मौजूद रहे।
बताया गया कि पिछले दिनों वार्ड पार्षद गौतम रवानी के द्वारा समस्या की जानकारी दिए जाने के बाद नगर परिषद अध्यक्ष सन्नी उरांव और उपाध्यक्ष विजय साव ने मौके का निरीक्षण किया था। निरीक्षण के दौरान उन्होंने निकासी नाले की सफाई कराकर जलनिकासी व्यवस्था दुरुस्त करने का आश्वासन दिया था।
इसी क्रम में गुरुवार को नगर परिषद की ओर से जेसीबी लगाकर नाले की सफाई कराई जा रही है। सफाई कार्य पूरा होने के बाद रानी तालाब का पानी सुचारु रूप से निकल सकेगा, जिससे सड़कों पर जलभराव की समस्या कम होने की उम्मीद है।

राहुल गांधी के साथ कथित दुर्व्यवहार लोकतंत्र के लिए चिंताजनक

मेदिनीनगर : अधिवक्ता, स्वतंत्र पत्रकार एवं झारखंड प्रदेश कांग्रेस कोर्डिनेशन कमिटी के सदस्य हृदयानंद मिश्र ने छात्रों पर हुए पुलिस लाठीचार्ज तथा लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के साथ गिरफ्तारी के दौरान कथित दुर्व्यवहार पर गहरी चिंता व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में छात्रों की आवाज को बल प्रयोग से दबाने का प्रयास संविधान की मूल भावना के अनुरूप नहीं माना जा सकता। यदि छात्र अपनी मांगों को लेकर शांतिपूर्ण ढंग से प्रदर्शन कर रहे थे, तो प्रशासन की पहली जिम्मेदारी संवाद स्थापित करना होनी चाहिए थी। किसी भी प्रकार के आवश्यकता से अधिक बल प्रयोग की निष्पक्ष जांच होनी चाहिए और यदि कहीं पुलिस की ओर से अति हुई है, तो जिम्मेदारी तय की जानी चाहिए।
हृदयानंद मिश्र ने कहा कि लोकसभा में विपक्ष के नेता का पद भारतीय लोकतंत्र की एक महत्वपूर्ण संवैधानिक संस्था है। इस पद की गरिमा का सम्मान करना प्रत्येक सरकारी एजेंसी और प्रशासनिक तंत्र का दायित्व है। कानून-व्यवस्था बनाए रखने की कार्रवाई भी संवैधानिक मयार्दाओं और मानवीय गरिमा के अनुरूप होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि भारत का लोकतंत्र संवाद, सहिष्णुता और असहमति के सम्मान की परंपरा पर आधारित है। छात्र किसी भी राष्ट्र का भविष्य होते हैं। उनके हाथों में लाठियों के निशान नहीं, बल्कि शिक्षा, अवसर और उम्मीद होनी चाहिए। सरकार को इस पूरे प्रकरण पर संवेदनशीलता दिखाते हुए छात्रों, शिक्षाविदों और सभी संबंधित पक्षों से संवाद स्थापित करना चाहिए, ताकि भविष्य में ऐसी परिस्थितियों की पुनरावृत्ति न हो।
श्री मिश्र ने सभी राजनीतिक दलों, सामाजिक संगठनों और नागरिक समाज से भी अपील की कि वे लोकतांत्रिक मयार्दाओं का पालन करते हुए शांतिपूर्ण वातावरण बनाए रखने में सहयोग करें। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र की मजबूती का मार्ग दमन नहीं, बल्कि संवाद, जवाबदेही और संवैधानिक मूल्यों के पालन से होकर जाता है।

कृषि एवं उद्योग समिति के सभापति आदिल अजीम की अध्यक्षता में बैठक, कहा

किसानों को जल्द मिलेगा केसीसी ऋण, फसल बीमा और बकरी वितरण योजना होगी शुरू

संवाददाता

रांची : आज रांची जिला परिषद सभागार में जिला परिषद की कृषि एवं उद्योग समिति के सभापति आदिल अजीम की अध्यक्षता में कृषि एवं संबद्ध विभागों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में कृषि, उद्यान, मत्स्य, पशुपालन, सहकारिता विभाग सहित जिला परिषद के अधिकारियों एवं समिति के सदस्यों ने भाग लिया।
बैठक में केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा संचालित कृषि एवं किसान कल्याण योजनाओं की प्रगति की समीक्षा करते हुए उनके प्रभावी एवं समयबद्ध क्रियान्वयन पर जोर दिया गया। सभापति आदिल अजीम ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि सभी योजनाओं का लाभ बिना किसी विलंब के पात्र किसानों तक पहुंचाया जाए, ताकि अधिक से अधिक किसान सरकारी योजनाओं से लाभान्वित हो सकें। बैठक में इस वर्ष एल नीनो के संभावित प्रभाव के कारण सामान्य से कम वर्षा होने की संभावना पर भी चर्चा हुई। अधिकारियों ने बताया कि वर्षा में कमी से धान की खेती प्रभावित हो सकती है। इसे देखते हुए किसानों को धान के साथ-साथ मक्का, दलहन एवं अन्य वैकल्पिक फसलों की खेती के लिए प्रोत्साहित करने तथा गुणवत्तापूर्ण बीजों का शीघ्र वितरण सुनिश्चित करने का निर्णय लिया गया।
सभापति आदिल अजीम ने झारखंड राज्य सहकारी बैंक के सीईओ एवं जिला अग्रणी बैंक प्रबंधक (एलडीएम) से वार्ता कर सभी पात्र किसानों को किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी) के माध्यम से ऋण उपलब्ध कराने के लिए शीघ्र संयुक्त

बैठक आयोजित करने का निर्णय लिया। उन्होंने कहा कि इससे अधिक से अधिक किसान सस्ती दर पर कृषि ऋण का लाभ उठा सकेंगे।
बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि फसल बीमा योजना को जल्द शुरू किया जाएगा। साथ ही पशुपालन विभाग के माध्यम से 100 बकरी एवं 5 बकरा वितरण योजना भी शीघ्र प्रारंभ की जाएगी, ताकि ग्रामीण परिवारों की आय बढ़ाने में मदद मिल सके।
आदिल अजीम ने कहा कि किसानों की आय बढ़ाने, कृषि को लाभकारी बनाने तथा ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के लिए सभी विभागों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करना होगा। उन्होंने अधिकारियों को योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन एवं किसानों की समस्याओं के त्वरित समाधान के निर्देश दिए।
बैठक में समिति की सदस्य किरण देवी, रीता होरो, सरस्वती देवी, सुषमा देवी, मंजू सिंह मुंडा, परमेश्वरी सांडिल सहित जिला परिषद के कार्यपालक पदाधिकारी एवं विभिन्न विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित थे।

कांग्रेस कार्यालय का घेराव में शामिल हुआ भाजपा किसान मोर्चा

संवाददाता

रांची : झारखंड में जेपीएससीझ जेएसएससी भर्ती परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं और पेपर लीक के आरोपों को लेकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने बुधवार को जेपीएससी और कांग्रेस कार्यालय का घेराव किया। प्रदर्शन में भाजपा किसान मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष पवन साहू के नेतृत्व में बड़ी संख्या में पार्टी पदाधिकारी और कार्यकर्ता शामिल हुए।
प्रदर्शन के दौरान पवन साहू ने राज्य सरकार पर युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि पिछले छह वर्षों में कांग्रेस समर्थित हेमंत सोरेन सरकार के कार्यकाल में जेपीएससीझ जेएसएससी , सीजीएल, उत्पाद सिपाही भर्ती और शिक्षक नियुक्ति सहित कई भर्ती परीक्षाओं पर अनियमितताओं तथा पेपर लीक के आरोप लगे हैं। उनका कहना था कि लाखों अभ्यर्थियों की मेहनत पर लगातार सवाल खड़े हो रहे हैं, इसलिए 14वीं जेपीएससी परीक्षा समेत सभी विवादित भर्ती परीक्षाओं की जांच केंद्रीय जांच ब्यूरो (उइक) से कराई जानी चाहिए।
भाजपा किसान मोर्चा के प्रदेश मीडिया प्रभारी सुनील कुमार सिंह ने कहा कि जेपीएससी मामले में

चल रही सीआईडी जांच पर्याप्त नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया कि पिछले छह वर्षों में जेपीएससीझ जेएसएससी और सीजीएल जैसी भर्ती संस्थाएं भ्रष्टाचार का केंद्र बन गई हैं। उन्होंने कहा कि निष्पक्ष जांच के लिए सीबीआई जांच आवश्यक है ताकि पूरे मामले की सच्चाई सामने आ सके और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई हो।
सुनील कुमार सिंह ने कई सवाल भी उठाए। उन्होंने पूछा कि 14वीं संयुक्त सिविल सेवा परीक्षा का परिणाम आधी रात में और आयोग के सक्षम अधिकारी के हस्ताक्षर के बिना क्यों जारी किया गया? चयन की कट-ऑफ सूची सार्वजनिक क्यों नहीं की गई? उत्तर पुस्तिकाओं के मूल्यांकन की प्रक्रिया गोपनीय क्यों रखी गई? नियमित रूप से संयुक्त परीक्षा आयोजित नहीं होने के बावजूद आयु सीमा में कटौती क्यों की गई? साथ ही उन्होंने यह भी सवाल उठाया कि उत्तर प्रदेश में ब्लैकलिस्टेड एजेंसी को भर्ती प्रक्रिया की जिम्मेदारी किसके संरक्षण में सौंपी गई।
उन्होंने आरोप लगाया कि इन सवालों से यह प्रतीत होता है कि राज्य सरकार भर्ती प्रक्रिया में पारदर्शिता बनाए रखने में विफल रही है। भाजपा ने मांग की कि युवाओं के हितों की रक्षा के लिए सभी विवादित भर्ती मामलों की निष्पक्ष और स्वतंत्र जांच कराई जाए।प्रदर्शन में भाजपा किसान मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष पवन साहू के साथ प्रदेश उपाध्यक्ष अजय दुबे, अरविंद खुराना, प्रदेश मंत्री डॉ. विनोद ठाकुर, राजीव नाथ शाहदेव, वीरेंद्र कुमार, प्रदेश मीडिया प्रभारी सुनील कुमार सिंह, बृंद कुमार, टिंकू महतो, भाजपा नेत्री सुमन मिश्रा, रितेश तिवारी, राजकुमार सिंह सहित हजारों की संख्या में पार्टी के नेता और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

सिक्किम टनल हादसे में पश्चिमी सिंहभूम के केकुमसिंग मदुरा गांव के मसीह बोरजो की मौत

संवाददाता

चाईबासा : सिक्किम के नामची जिले में निमार्णाधीन एनएचपीसी तीस्ता स्टेज-6 जलविद्युत परियोजना की हेड रेस टनल में हुए भीषण हादसे में पश्चिमी सिंहभूम जिले के बंदगांव प्रखंड अंतर्गत केकुमसिंग मदुरा गांव निवासी 50 वर्षीय मसीह बोरजो की दर्दनाक मौत हो गई. इस हादसे ने पूरे गांव को शोक में डुबो दिया है। मसीह बोरजो अपने परिवार की आजीविका चलाने के लिए करीब तीन माह पहले ही सिक्किम मजदूरी करने गए थे.
बताया गया कि मसीह बोरजो पटेल कंस्ट्रक्शन कंपनी के माध्यम से टनल निर्माण कार्य में लगे हुए थे. हादसे के समय सुरंग के भीतर गैस रिसाव और विस्फोट होने से उनकी जान चली गई.इस दुर्घटना में झारखंड के कुल चार मजदूरों की मौत हुई है, जिनमें दो खूंटी जिले के रनिया प्रखंड, एक हजारीबाग और एक पश्चिमी

सिंहभूम के मसीह बोरजो शामिल हैं.मसीह बोरजो अपने पीछे पत्नी, दो बेटे और दो बेटियों सहित चार बच्चों का भरा-पूरा परिवार छोड़ गए हैं. परिवार की आर्थिक जिम्मेदारी पूरी तरह उन्हीं के कंधों पर थी. उन्हें प्रतिमाह लगभग 20 हजार रुपये मजदूरी मिलती थी, जिससे घर का खर्च चलता था.
हादसे की सूचना मिलते ही केकुमसिंग मदुरा गांव में मातम पसर गया. परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है. गांव के लोग लगातार पीड़ित परिवार को सांत्वना देने पहुंच रहे हैं.मसीह बोरजो की मौत की खबर मिलने के बाद उनके भाई सिक्किम के लिए रवाना हो गए हैं, ताकि पार्थिव शरीर को गांव लाया जा सके.
इधर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने घटना पर गहरा शोक व्यक्त करते हुए सिक्किम के मुख्यमंत्री से बातचीत की है तथा प्रभावित झारखंडी श्रमिकों के लिए हरसंभव सहायता उपलब्ध कराने का आग्रह किया है. राज्य सरकार का माइग्रेंट सेल एवं कंट्रोल रूम भी लगातार सिक्किम सरकार के संपर्क में है और मृतकों के परिजनों से समन्वय स्थापित कर आवश्यक सहायता उपलब्ध कराने की प्रक्रिया में जुटा है.
केकुमसिंग मदुरा गांव के लोगों की मांग है कि मसीह बोरजो का पार्थिव शरीर जल्द से जल्द उनके पैतृक गांव लाया जाए तथा पीड़ित परिवार को पर्याप्त सरकारी मुआवजा और परिवार के एक सदस्य को रोजगार उपलब्ध कराया जाए.

भारतीय मजदूर संघ की बैठक संपन्न

खलारी : एनके क्षेत्र के सुभाष नगर में बुधवार को भारतीय मजदूर संघ - असंगठित ठेका मजदूर की एक महत्वपूर्ण बैठक हुई। इस बैठक की अध्यक्षता संगठन के सचिव बिनोद विश्वकर्मा ने की बैठक मे बच्चों की शिक्षा पर संकट बैठक में सुभाष नगर के लगभग 40-50 बच्चों को डी.ए.वी. पब्लिक स्कूल, खलारी जाने में हो रही भीषण असुविधा पर गंभीर चर्चा हुई। बस व्यवस्था का अभाव बस की समुचित व्यवस्था न होने के कारण बच्चों को कई बार स्कूल पहुंचने में देर हो रही है। आनन-फानन में स्कूल जाने के कारण बच्चों के साथ किसी भी प्रकार की दुर्घटना की आशंका बनी हुई है प्रबंधक की दोहरी नीति उपस्थित अभिभावकों ने आरोप लगाया कि एन.के. क्षेत्र में डी ए वी स्कुल के लिए कई बसें चलती है जो के इसमें कोइ भी बस सुभास नगर नही आती है और जो आती भी है उसमे बच्चों बैठने नही दिया जाता है एन के महाप्रबंधक द्वारा दोहरी नीति अपनाई जा रही है, जिससे यहां के बच्चों के भविष्य के साथ खिलवाड़ हो रहा है।

पुलिस उप-महानिरीक्षक ने अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी कार्यालय का किया निरीक्षण

मेदिनीनगर : पुलिस उप-महानिरीक्षक (डीआईजी) श्री किशोर कौशल ने रंका अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी (एसडीपीओ) कार्यालय का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने कार्यालय की कार्यप्रणाली, अभिलेखों के संधारण, लंबित मामलों की प्रगति तथा कानून-व्यवस्था से संबंधित व्यवस्थाओं की समीक्षा की। डीआईजी ने कार्यालय में उपलब्ध विभिन्न अभिलेखों एवं रजिस्टरों का अवलोकन करते हुए उनके अद्यतन संधारण का निर्देश दिया। उन्होंने लंबित कांडों के त्वरित निष्पादन, अपराध नियंत्रण, फरार अभियुक्तों की गिरफ्तारी, वारंट एवं कुर्की के निष्पादन तथा जन शिकायतों के समयबद्ध निस्तारण पर विशेष बल दिया।उन्होंने पुलिस पदाधिकारियों को निर्देशित किया कि आमजन के साथ संवेदनशील एवं सौहार्दपूर्ण व्यवहार करें तथा कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए नियमित गश्ती, वाहन जांच एवं अपराधियों के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करें। साथ ही साइबर अपराधों के प्रति लोगों को जागरूक करने और पुलिसिंग को अधिक प्रभावी एवं जवाबदेह बनाने पर भी जोर दिया।

कॉग्निटो अबाकस के बच्चों ने किया पौधरोपण

संवाददाता

चाईबासा एवं चक्रधरपुर के कॉग्निटो अबाकस जो की एक वैदिक गणित की प्रारूप है उस संस्थान के द्वारा कराकेला स्थित करंजो परिसर में बच्चों एवं अभिभावक सह शिक्षक शिक्षिकाओं ने पौधारोपण कर समाज को यह संदेश दिया है कि हमें पर्यावरण की रक्षा करनी चाहिए साथ ही पौधारोपण कर पौधे की उचित देखभाल करती रहनी चाहिए, उनका उद्देश्य हर साल 500 पौधा विभिन्न क्षेत्रों में लगाने एवं उन्हें सुरक्षित रखने का संकल्प लिया मौके पर कॉग्निटिव अबाकस

चक्रधरपुर व चाईबासा दोनों के संचालक एवं संस्थापक अभिभावक एवं शिक्षक शिक्षिकाएं एवं काफी संख्या में बच्चे मौजूद रहे।

महिला ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

मेदिनीनगर : पलामू जिले के मनातू थाना क्षेत्र के दलदलीया गांव में एक 40 वर्षीय महिला ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। मृतका की पहचान महेंद्र परहिया की पत्नी तुला देवी के रूप में हुई है। घटना की सूचना मिलते ही मनातू थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए मेदिनीराय मेडिकल कॉलेज अस्पताल भेज दिया। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार महिला ने अपने घर के बाहर फांसी लगाई थी। आत्महत्या के कारणों का फिलहाल पता नहीं चल सका है।

एसआईआर-2026 में चक्रधरपुर विधानसभा ने रचा इतिहास, 100% डिजिटाइजेशन करने वाली झारखंड की पहली विधानसभा बनी

विधायक सुखराम उरांव ने पूरी टीम को दी बधाई, एसडीओ श्रुति राजलक्ष्मी ने कर्मियों के समर्पण की सराहना की

संवाददाता

चक्रधरपुर : विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान के तहत विधानसभा संख्या-56 चक्रधरपुर ने ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल करते हुए झारखंड की पहली विधानसभा बनने का गौरव प्राप्त किया है, जहां गणना प्रपत्रों का 100 प्रतिशत डिजिटाइजेशन सफलतापूर्वक पूरा कर लिया गया. यह उपलब्धि 22 जुलाई 2026 को निर्धारित समय से पहले हासिल की गई, जिसके बाद पूरे विधानसभा क्षेत्र में खुशी का माहौल है.
इस उल्लेखनीय सफलता पर चक्रधरपुर के विधायक सुखराम उरांव ने पूरी प्रशासनिक टीम, निर्वाचन विभाग एवं अभियान से जुड़े सभी कर्मियों को हार्दिक बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है.
अपने बधाई संदेश में विधायक सुखराम उरांव ने कहा कि चक्रधरपुर विधानसभा का पूरे झारखंड में प्रथम स्थान प्राप्त करना पूरे क्षेत्र के लिए गर्व का विषय है. उन्होंने कहा कि समय से पहले शत-प्रतिशत डिजिटाइजेशन जैसे चुनौतीपूर्ण कार्य को पूरा करना प्रशासनिक दक्षता, बेहतर समन्वय और जमीनी स्तर पर कार्यरत कर्मियों की अथक मेहनत का परिणाम है. उन्होंने इस सफलता का श्रेय पोड़ाहाट-चक्रधरपुर की अनुमंडल पदाधिकारी सह निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी सुश्री श्रुति राजलक्ष्मी के कुशल नेतृत्व एवं प्रभावी मार्गदर्शन को दिया. साथ ही सहायक निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी, सभी सुपरवाइजरों, बूथ लेवल ऑफिसरों, स्वयंसेवी शिक्षकों, बीएलए-2 तथा अभियान से जुड़े प्रत्येक कर्मी की निष्ठा और समर्पण की सराहना की.
विधायक ने कहा कि लोकतंत्र की मजबूती का आधार एक सटीक और

पारदर्शी मतदाता सूची होती है. चक्रधरपुर की टीम ने इस जिम्मेदारी का उत्कृष्ट निर्वहन करते हुए पूरे राज्य के लिए एक आदर्श प्रस्तुत किया है. उन्होंने विश्वास जताया कि यही टीम भविष्य में भी इसी समर्पण और ऊर्जा के साथ कार्य करते हुए क्षेत्र और राज्य का नाम रोशन करती रहेगी.
इधर, चक्रधरपुर विधानसभा की निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी सह अनुमंडल पदाधिकारी सुश्री श्रुति राजलक्ष्मी ने भी इस उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए अभियान से जुड़े सभी अधिकारियों एवं कर्मियों का आभार व्यक्त किया. उन्होंने कहा कि यह सफलता किसी एक व्यक्ति की नहीं, बल्कि पूरी टीम के सामूहिक प्रयास, अनुशासन और समर्पण का परिणाम है.
उन्होंने विशेष रूप से सभी सुपरवाइजरों, बीएलओ, बीएलए-2, स्वयंसेवी शिक्षकों, डेटा एंट्री ऑपरेटरों तथा अन्य सहयोगी कर्मियों की सराहना करते हुए कहा कि सभी ने दिन-रात मेहनत कर लक्ष्य को समय से पहले पूरा किया. उन्होंने कहा कि प्रत्येक मतदाता का सही विवरण डिजिटाइज करना अत्यंत जिम्मेदारी का कार्य था, जिसे पूरी पारदर्शिता और गंभीरता के साथ संपन्न किया गया.
एसडीओ ने कहा कि विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान का उद्देश्य मतदाता सूची को अधिक शुद्ध, अद्यतन एवं त्रुटिरहित बनाना है, ताकि प्रत्येक पात्र नागरिक अपने मताधिकार का सही ढंग से उपयोग कर सके. उन्होंने उम्मीद जताई कि चक्रधरपुर विधानसभा की यह उपलब्धि राज्य के अन्य विधानसभा क्षेत्रों के लिए भी प्रेरणास्रोत बनेगी.
इस ऐतिहासिक सफलता के साथ चक्रधरपुर विधानसभा ने न केवल झारखंड में अपनी कार्यकुशलता का परिचय दिया है, बल्कि यह भी साबित कर दिया है कि प्रशासन, जनप्रतिनिधियों और जमीनी स्तर के कर्मियों के समन्वित प्रयास से कठिन से कठिन लक्ष्य भी निर्धारित समय से पहले हासिल किए जा सकते हैं.